শর্মা হার্ডওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 260 | गुवाहाटी | सोमवार, 27 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मेघालय और तमिलनाडु में जैव विविधता संरक्षण को केंद्र की पांच वर्षीय परियोजना पेज 2
गुवाहाटी सड़क हादसे में तीन युवतियों की मौत के बाद फरार चालक की तलाश जारी पेज 3
प्रदेश में संगठित श्रमिकों के लिए राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का... पेज 5
टेबल टेनिस : पंकज को एकल, तो भाग्यश्री को दहरा खिताब, मृदुल ने पूरी की हैट्रिक पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

यही दुनिया है! यदि तुम किसी का उपकार करो, तो लोग उसे कोई महत्व नहीं देंगे, किंतु ज्यों ही तुम उस कार्य को बंद कर दो, वे तुरंत (ईश्वर न करे) तुम्हें बदमाश प्रमाणित करने में नहीं हिचकिचाएंगे।

– स्वामी विवेकानंद

बांग्लादेश से आने वाले हिंदू शरणार्थी हैं जबकि मुस्लिम घुसपैठिया : सीएम डॉ. शर्मा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 142 सीटों के लिए 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। उससे पहले सियासी दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। भाजपा की तरफ से उसके स्टार प्रचारक लगातार रैलियां और जनसभाएं कर मतदाताओं को रिझाने में लगे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा प्रचार-प्रसार में जुटे हैं, और इस दौरान लगातार उन पर अपने विवादित बयानों को लेकर धुव्रीकरण के आरोप लगते रहे हैं। हिमंत विश्व एक बार फिर अपने जहरीले बयानों को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, हिमंत विश्व शर्मा ने बांग्लादेश से आने वाले लोगों को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी हिंदू और मुसलमानों को एक जैसा नहीं देखा जा सकता, बल्कि ये दो अलग-अलग समुदाय हैं। शर्मा ने कहा कि बांग्लादेश से आने वाले हिंदू शरणार्थी हैं, जबकि मुसलमानों को घुसपैठिया माना जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान एक सभा में बोलते हुए अक्सर अपने जहरीले और मुस्लिम विरोधी बयानों के लिए मशहूर हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि जो हिंदू अत्याचार से बचकर भारत आते हैं, उन्हें नागरिकता संशोधन कानून 2019 के तहत नागरिकता दी जाती है। वहीं, मुसलमानों को शर्मा ने अवैध घुसपैठिया बताते हुए उन्हें देश से बाहर भेजने की बात कही। हिमंत विश्व शर्मा ने तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) पर भी जमकर निशाना साधा। हिंदू मुस्लिम एकता पर तंज कसते हुए हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह पार्टी यानी टीएमसी दोनों समुदायों को एक साथ रखकर लोगों में गलतफहमी फैला रही है। शर्मा के मुताबिक, दोनों समुदायों को एक साथ रखने का नजरिया सही नहीं है और इससे सच्चाई छिपाई जा रही है। अपने संबोधन में एक बार फिर हिमंत विश्व शर्मा ने -शेष पृष्ठ दो पर

असम में 20 अवैध अप्रवासियों को वापस भेजा गया बांग्लादेश

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार (26 अप्रैल, 2026) को कहा कि असम में 20 विदेशी नागरिकों को पकड़ा गया और उन्हें बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। अशिष्ट लोग नरम भाषा नहीं समझते। असम से घुसपैठियों को निकालते समय, जो वापस नहीं जाते, हम इस भविष्यवाणी को लगातार याद करते हैं। उदाहरण के लिए, ये 20 अवैध बांग्लादेशी जिन्हें कल रात वापस खदेड़ दिया गया, शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा। हालांकि, उन्होंने उस स्थान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी जहां उन्हें पकड़ा गया था या उनकी राष्ट्रीयता के बारे में भी नहीं बताया। शर्मा ने जोर देकर कहा कि असम लड़ेगा, और उन्हें वापस धकेलने का सिलसिला जारी रहेगा। असम के श्रीभूमि, कछार, धुबड़ी और दक्षिण सालमारा-मनकाचर जिले बांग्लादेश के साथ 267.5 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। श्रीभूमि जिले के सुतारकंडी में एक एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) स्थित है। पूर्वोत्तर में भारत-बांग्लादेश सीमा पर कुल तीन एकीकृत चेक पोस्ट हैं, जिनमें से अन्य दो मेघालय के डाउकी और त्रिपुरा के अखौरा में स्थित हैं। इस क्षेत्र में एक और -शेष पृष्ठ दो पर

रिनिकी भुइयां पासपोर्ट मामला : पवन खेड़ा ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने रविवार (26 अप्रैल) को गौहाटी उच्च न्यायालय के 24 अप्रैल के उस आदेश को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की, जिसमें असम पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि और जालसाजी के मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। यह मामला असम पुलिस ने खेड़ा के उन आरोपों के संबंध में दर्ज किया था कि हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के पास कई पासपोर्ट और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं। खेरा ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की। शुक्रवार को गौहाटी उच्च न्यायालय ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा की शिकायत पर खेड़ा के खिलाफ दर्ज मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति पार्थिवज्योति सैकिया ने पारित किया, जिन्होंने मंगलवार को दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। उनकी याचिका खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि यह मामला जाली -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर अपनी भूमिका को फिर से दोहराया

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर पूर्वोत्तर भारत के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर अपनी भूमिका को दोहराया है। उन्होंने इस क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और विरासत को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने में लगातार अग्रणी भूमिका निभाई है। अपने बेहद लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम *मन की बात* के 133वें संस्करण में प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर भारत में बांस उद्योग की अपार संभावनाओं और उसके आर्थिक भविष्य पर प्रकाश डाला। असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय कि अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी बयान अनुसार, असम के 39 संगठनात्मक जिलों के 433 मंडलों में फैले 30,000 से अधिक बूथों पर 30 लाख से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस प्रसारण को -शेष पृष्ठ दो पर

अन्ना हजारे ने सख्त दलबदल विरोधी कानून की मांग

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों के दल बदलने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि लोग अपने निजी स्वार्थ के आधार पर एक पार्टी से दूसरी पार्टी में चले जाते हैं। इसलिए, एक सख्त दलबदल विरोधी कानून बनाया जाना चाहिए। अन्ना हजारे ने कहा कि संविधान में कहीं भी पार्टियों और पक्षों का कोई जिक्र नहीं है। संविधान हमेशा समाज और राष्ट्र के कल्याण पर ही केंद्रित रहता है। आज समाज में विवाद और टकराव राजनीतिक पार्टियों की वजह से ही बढ़ रहे हैं। लोग अपने निजी स्वार्थ के आधार पर एक पार्टी से दूसरी पार्टी में चले जाते हैं। जहां उन्हें अपना फायदा दिखता है, वे वहीं चले जाते हैं। इसलिए, एक सख्त दलबदल विरोधी कानून बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा कोई -शेष पृष्ठ दो पर

व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में गोलीबारी, बाल बाल बचे ट्रंप

वाशिंगटन (हि.स.)। वाशिंगटन डीसी में शनिवार शाम अभेद्य किलेबंदी के बीच चल रहे व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान पर कार्यक्रम स्थल के बाहर गोलीबारी होने से हड़कंप मच गया। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स कार्यक्रम स्थल से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को निकाल कर ले गए। ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस गोलीबारी में एक एजेंट घायल हो गया। डिनर का आयोजन वाशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में किया गया था। सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी होते ही ट्रंप को वहां से तुरंत बाहर निकाला गया। इस वार्षिक मीडिया कार्यक्रम के शुरू होने से पहले ही राष्ट्रपति और प्रथम महिला -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में चुनाव आयोग की पुलिस अफसरों को चेतावनी

लापरवाही की तो सख्त विभागीय कार्रवाई करेंगे

कोलकाता। निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने रविवार को कोलकाता पुलिस और दक्षिण 24 परगना पुलिस को सख्त चेतावनी दी। आयोग ने कहा कि मतदान के दिन डराने -धमकाने और विस्फोटकों के इस्तेमाल जैसे मामलों में लापरवाही पर सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होना है। दरअसल, ईसीआई के एक अधिकारी ने कोलकाता में समन्वय बैठक की। इस बैठक में कोलकाता पुलिस और दक्षिण 24 परगना पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

तिनसुकिया में पान की चोरी के दौरान भीड़ ने पुलिस पर किया हमला, पांच गिरफ्तार

डूमडूमा। तिनसुकिया जिले के डूमडूमा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत तलप में सुपारी की चोरी का एक सामान्य मामला उस समय तनावपूर्ण कानून-व्यवस्था की स्थिति में तब्दील हो गया जब भीड़ ने पुलिस चौकी को घेर लिया और कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर हमला किया और झड़प के दौरान कई अधिकारियों को घायल कर दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एक मामला (संख्या 57/26) दर्ज किया गया है, जिसमें चोरी, चोरी की संपत्ति रखने और लोक सेवकों पर हमला करने से संबंधित आरोप शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हम चोरी और उसके बाद हुई हिंसा दोनों को समान गंभीरता से ले रहे हैं और सख्त कानूनी कार्रवाई चल रही है। यह घटना तलप के कोप्रातुली निवासी की शिकायत के बाद घटी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 13 से 16 वर्ष की आयु के तीन नाबालिगों को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर पान चुराने का प्रयास कर रहे थे। आगे की जांच में चोरी का माल खरीदने के आरोपी एक अन्य व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया। इसके तुरंत बाद तनाव बढ़ गया, क्योंकि बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी चौकी पर जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में सेंध, महिला ने बैरिकेड पार कर की मंच पर चढ़ने की कोशिश

हुगली (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के दौरान एक महिला ने बैरिकेड पार कर मंच तक पहुंचने की कोशिश की। मौके पर अफरा-तफरी मच गई, सुरक्षा कारणों से उसे मंच पर चढ़ने नहीं दिया गया और पुलिस ने उसे तुरंत वहां से हटा दिया। घटना रविवार को आरामबाग सांगठनिक जिले के हरिपाल में हुई, जहां प्रधानमंत्री सभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान एक महिला अचानक बैरिकेड पार कर मंच की ओर बढ़ने लगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार, महिला पार्टी की ही एक कार्यकर्ता बताई जा रही है। मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने उसे रोकने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि महिला प्रधानमंत्री के पास पहुंचने की जिद पर अड़ गई और जमीन पर लेटकर *जाने दो* की मांग करती रही। इसके बाद -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या, राहुल ने की दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की कथित हत्या को लेकर तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि चुनाव के बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा की गई यह हत्या बेहद निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की जगह गुंडाराज -शेष पृष्ठ दो पर

हावड़ा में सांसद रवि किशन के चुनाव प्रचार के दौरान तृणमूल व भाजपा में झड़प

हावड़ा (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच उत्तर हावड़ा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार उमेश राय के समर्थन में रविवार दोपहर अभिनेता व सांसद रवि किशन के प्रचार के दौरान तृणमूल कानर्यकर्ताओं ने *जय बांग्ला* के नारे लगाए। इससे भाजपा और तृणमूल कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। कार्यकर्ताओं के बीच नारेबाजी के बाद स्थिति इतनी बिगड़ गई कि दोनों पक्षों में झड़प और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई हैं। सूत्रों के अनुसार, दूसरे चरण के मतदान से पहले प्रचार के अंतिम रविवार को उत्तर हावड़ा में भाजपा की ओर से एक रोड शो आयोजित किया गया था। इस दौरान भाजपा उम्मीदवार उमेश राय के समर्थन में अभिनेता और भाजपा सांसद रवि किशन भी मौजूद थे। रैली जैसे ही लिलुआ के बी रोड इलाके से गुजरी, तनाव बढ़ गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इलाके में तृणमूल कार्यकर्ताओं ने अपने कार्यालय के पास इकट्ठा होकर जय बांग्ला के नारे लगाए, -शेष पृष्ठ दो पर

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने चुनाव प्रक्रिया का अवलोकन कर सराहना की

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने अंतर्राष्ट्रीय निर्वाचन आगंतुक कार्यक्रम के तहत तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनावों के पहले चरण में 16 देशों के 32 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को चुनाव प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया। इन देशों के प्रतिनिधियों ने देश की चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शी, व्यवस्थित और व्यापक चुनाव प्रणाली की सराहना की। चुनाव आयोग के अनुसार, इन प्रतिनिधियों ने 22 और 23 अप्रैल को तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के दौरे के दौरान मतदान केंद्रों, प्रेषण केंद्रों और निगरानी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को लोकतंत्र का वास्तविक उत्सव बताते हुए रिकॉर्ड मतदाता भागीदारी, सटीक योजना और सुचारु संचालन की प्रशंसा की। दौरे की शुरुआत में प्रतिनिधियों ने प्रेषण -शेष पृष्ठ दो पर

रिकॉर्ड मतदान से होगा बदलाव, पीएम ने 29 को नई मिसाल कायम करने की अपील की

हुगली (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के हरिपाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला और भाजपा के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान की अपील की। ठाकुरनगर में पहली सभा के बाद मोदी हरिपाल पहुंचे, जहां राज्य भाजपा नेतृत्व ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में राजा राम मोहन राय तथा रामकृष्ण परमहंस जैसे बंगाल के महान व्यक्तित्वों को याद किया। उन्होंने कहा कि पहले चरण में मतदान का रिकॉर्ड टूटा है और 29 अप्रैल को होने वाले अगले चरण में इसे और आगे बढ़ाना चाहिए। राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि नवान्न से सरकार नहीं चलती, बल्कि तृणमूल के गुंडे और मस्तान शासन चला रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने जनता का भरोसा खो दिया है, जिसके कारण लोगों को बार-बार अदालतों का रुख करना पड़ रहा है। शिक्षा घोटाले का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तृणमूल के मंत्रियों ने हजारों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया। -शेष पृष्ठ दो पर

देश में ईंधन आपूर्ति सामान्य : केंद्र

नई दिल्ली (हि.स.)। पश्चिम एशिया में जारी हालात के बीच केंद्र सरकार ने देश में पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार ने बताया कि 25 अप्रैल को देशभर में 51.8 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति की गई, जबकि कहीं भी गैस एजेंसियों पर कमी (ड्राई-आउट) की स्थिति नहीं है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, देश में एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे पेट्रोल, डीजल और गैस की अनावश्यक खरीद से बचें और अफवाहों पर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED
For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

मेघालय और तमिलनाडु में जैव विविधता संरक्षण को केंद्र की पांच वर्षीय परियोजना

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में जैव विविधता संरक्षण को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और ग्राम पंचायतों की विकास योजनाओं में शामिल करने के लिए, केंद्र सरकार ने पांच वर्षीय एक परियोजना शुरू की है। इस पहल के तहत स्थानीय समुदायों, पंचायत संस्थाओं और विभिन्न एजेंसियों को जोड़कर संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ आजीविका के अवसर भी विकसित किए जाएंगे। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण द्वारा शुरू की गई *जैव विविधता संरक्षण प्रतिबद्धताओं को सुरक्षित करने के लिए संस्थागत क्षमता सुदृढ़ीकरण* परियोजना वर्ष 2025 से 2030 तक चलेगी। इस परियोजना को वैश्विक पर्यावरण सुविधा और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के सहयोग से 4.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता प्राप्त होगी। यह परियोजना तमिलनाडु और मेघालय के दो महत्वपूर्ण पारिस्थितिक क्षेत्रों में लागू की जाएगी। तमिलनाडु में पश्चिमी और पूर्वी घाटों के संगम क्षेत्र स्थित सत्यमंगलम परिदृश्य जिसमें मुदुमलाई बाघ अभयारण्य और सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य शामिल हैं। इन वन क्षेत्रों से जुड़े समुदायों की भागीदारी से जैव विविधता संरक्षण को ग्राम पंचायत विकास योजनाओं में शामिल किया जाएगा। वहीं, मेघालय के गारो पहाड़ियों क्षेत्र में नोकरेक जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र, बलपाक्रम राष्ट्रीय उद्यान और सिजू वन्यजीव अभयारण्य के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर संरक्षण को बढ़ावा दिया जाएगा। परियोजना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय विकास योजनाओं में जैव विविधता को शामिल कर पंचायती राज संस्थाओं और जैव विविधता प्रबंधन समितियों को सशक्त बनाना है। इसके तहत वन विभाग, राजस्व विभाग, जनप्रतिनिधियों और नागरिक समाज को साथ लाकर सामुदायिक भागीदारी आधारित संरक्षण योजनाएं तैयार की जाएंगी। इसके अलावा, परियोजना के तहत पहुंच एवं लाभ साझेदारी व्यवस्था, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सहयोग और हरित सूक्ष्म उद्यमों के माध्यम से नवाचारी वित्तीय तंत्र विकसित किए जाएंगे, जिससे संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय लोगों को स्थायी आजीविका मिल सके। परियोजना का महत्वपूर्ण पहलू ज्ञान प्रबंधन और क्षमता निर्माण भी है, जिसके तहत इन क्षेत्रों में विकसित मॉडलों और नवाचारों को देशभर में लागू करने की दिशा में काम किया जाएगा। इसमें महिलाओं, अनुसूचित जातियों और जनजातीय समुदायों की भागीदारी और सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया है। मंत्रालय ने बताया कि यह पहल निचले स्तर से ऊपर की ओर आधारित दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसमें पंचायत संस्थाएं प्रमुख भूमिका निभाएंगी।

घरवाले खाते रहे रसगुल्ला-रसमलाई...

चोर ले गया 1 करोड़ रुपए के गहने, सदमे में परिजन

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक ऐसी घटना घटी है जहां शातिर चोरों ने एक शादी के हॉल से 1 करोड़ रुपए के सोने के गहने चुरा लिए। बुधवार शाम को अवलाहल्ली पुलिस थाना क्षेत्र के एक शादी के हॉल से अमेरिका में रहने वाली 52 वर्षीय महिला डॉक्टर सिरुवेल्ला श्रीदेवी के सोने के गहने चोरी होने की घटना सामने आई है। इस घटना से शादी का जश्न मना रहे परिवार वालों को गहरा सदमा लगा है। सिरुवेल्ला श्रीदेवी ने गुरुवार दोपहर इस घटना के संबंध में शिकायत दर्ज कराई। वह 18 अप्रैल को अपने भतीजे की शादी के लिए बेंगलुरु आई थीं और बेल्लारी रोड स्थित गंगानगर में अपने भाइयों के घर पर ठहरी हुई थीं। बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे वह बिदाराहल्ली के ओल्ड मद्रास रोड पर स्थित एसडीपी पैलेस मंडपम गईं। शाम 6:30 बजे तक उनके भाइयों ने उन्हें मंडपम में ही सोने के गहनों से भरा एक बक्सा दे दिया। उन्होंने कुछ गहने पहन लिए और बाकी अपने कमरे में रखकर दरवाजा बंद कर लिया और रिसेप्शन में चली गईं। कमरा बंद होने के बावजूद गहने चोरी हो जाने से कई सवाल उठ रहे हैं। चोरी हुए सोने के आभूषणों का वजन लगभग 725 ग्राम बताया जा रहा है और संदेह है कि शिकायतकर्ता के किसी परिचित या उसके परिवार के किसी सदस्य ने यह अपराध किया होगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं और कमरे में आने-जाने वाले लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। वेडिंग हॉल के मैनेजर प्रभु ने कहा कि वेडिंग हॉल के कर्मचारी इस घटना में शामिल नहीं थे और दरवाजा बंद था। चाबी भी शिकायतकर्ता के पास थी। उन्होंने यह भी कहा कि वे पुलिस जांच में सहयोग कर रहे हैं। व्हाइटफील्ड डिवीजन के डीसीपी सैदुलु अदावत ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों की तलाश चल रही है।

विपक्ष ने महिला बिल का विरोध कर बड़ा मौका खोया : कैप्टन अभिमन्यु

सिरसा (हिंस)। हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री एवं भाजपा नेता कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि विपक्ष ने महिला बिल का विरोध कर बहुत बड़ा मौका खो दिया है और आज विपक्ष का नेतृत्व विचारहीन हो चुका है। इनका जनता के सरोकारों से कोई लेना-देना नहीं है। कैप्टन अभिमन्यु रविवार को सिरसा में आयोजित भाईचारा सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। राज्यसभा के सात आम आदमी पार्टी सांसदों का पार्टी छोड़ने के सवाल पर कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि आम आदमी पार्टी अपने कुकर्मों के बोझ तले दबती जा रही है। आम आदमी का मुखौटा ओढ़ कर दिल्ली व पंजाब में सरकार बनाई, लेकिन आम आदमी नहीं, इनका रूप खास से भी खास नजर आया। पंजाब की जनता व युवा अपने आप को आज ठगा महसूस कर रहे हैं और अब आम आदमी पार्टी का कोई भविष्य नहीं है। पंजाब की जनता ने अकाली दल बादल, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के सभी प्रयोग देख लिए हैं और अब आने वाले चुनाव में प्रदेश की जनता नया प्रयोग भाजपा के रूप में देख रही है।

धौलपुर में पार्वती नदी में हादसा, नहाने के दौरान डूबने से तीन की मौत

धौलपुर (हिंस)। पूर्वी राजस्थान के धौलपुर जिले में पार्वती नदी में डूबने से तीन की मौत हो गई। हादसा रविवार दोपहर धौलपुर जिले के मनियां थाना इलाके गांव गडाइच में हुआ। जहां पार्वती नदी में नहाने के दौरान तीन बालक एवं बालिका नदी में डूब गए। तीनों बच्चे गांव के राजकीय स्कूल में पढ़ते थे और छुट्टी के दिन दोस्तों के साथ नदी में गए थे, तभी यह हादसा हो गया। हादसे के बाद में गडाइच तथा आसपास के इलाके में मातम के हालात हैं तथा लोग विधाता की करनी को कोस रहे हैं। पुलिस के मुताबिक राजाखेड़ा विधानसभा क्षेत्र की बिनतीपुरा ग्राम पंचायत में आने वाले गडाइच गांव के करीब एक दर्जन बालक और बालिकाएं रविवार दोपहर गांव के पास से बह रही पार्वती नदी में नहाने गए थे। नहाने के दौरान तीन बालक और बालिका नहाते समय गहरे पानी में चले गए और डूब गए। नदी किनारे मौजूद अन्य बच्चों की चीखें सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर दौड़े। ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालकर बच्चों को तलाशना शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। मनिया थाना पुलिस और स्थानीय गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों के शवों को नदी से बाहर निकाला। मनिया सीओ खलील अहमद ने बताया कि मनियां थाना अंतर्गत गांव गडाइच में रविवार दोपहर करीब दस बच्चे पार्वती नदी में नहाने चले गए थे। पार्वती नदी में नहाने के दौरान तीन बच्चे गहरे पानी में डूब गए। हादसे का शिकार बने मृतकों में करीब 12 वर्षीय भूरा पुत्र रामबरन कुशवाहा, करीब 14 वर्षीय सोनम पुत्री रघुवीर सिंह तथा करीब 14 वर्षीय निशु पुत्री भूरी सिंह शामिल हैं। मृतकों के शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, जहां उनका पोस्टमार्टम कराया जाएगा। सीओ खलील अहमद ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसा गहरे पानी में जाने के कारण हुआ लग रहा है और पुलिस मामले की पूरी गहनता से जांच कर रही है।

काश पटेल की जाएगी कुर्सी! एफबीआई चीफ की हरकतों से परेशान व्हाइट हाउस लेगा एक्शन

वाशिंगटन। ईरान से युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने प्रशासन में शीर्ष अधिकारियों पर लगातार एक्शन ले रहे हैं। अब फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) प्रमुख काश पटेल को भी पद से हटाने की बात सामने आ रही है। इससे पहले ट्रंप अमेरिकी नौसेना सचिव जॉन फेलन, अमेरिकी सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज और अटॉर्नी जनरल पाम बॉंडी को हटा चुके हैं। काश पटेल को लेकर कई जानकारियां सामने आ रही है। अमेरिका की एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उन पर अत्यधिक शराब सेवन और अनियमित आचरण के आरोप लग रहे हैं। *पॉलिटिको* की रिपोर्ट में व्हाइट हाउस के सूत्रों को कहना है कि काश पटेल को लेकर लगातार नेगेटिव खबरें सामने आ रही है। विवादों के कारण काश पटेल को लेकर माहौल बेहद खराब बताया जा रहा है। पटेल की कई शिकायतें ट्रंप तक भी पहुंची है। इससे ट्रंप की आम जनता के बीच एक नेगेटिव छवि भी बन रही है। अमेरिका की एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि एफबीआई में काश पटेल का काम करने का तरीका भी बेहद अलग है। साथ कर्मचारियों ने इस पर चिंता जाहिर करते हुए इसकी शिकायत भी की। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि एक बार सिस्टम से लॉक होने पर पटेल घबरा गए थे। हालांकि, पटेल ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह गलत बताया है। कहा जा रहा है कि इसी वजह से ट्रंप अब पटेल पर एक्शन लेने के मूड में हैं। लगातार हो रहे इन बदलावों के बीच अब काश पटेल का नाम भी चर्चा में है। अगर वे भी पद छोड़ते हैं, तो यह ट्रंप प्रशासन में जारी बड़े फेरबदल की कड़ी का एक और अहम हिस्सा होगा। इस बीच द इंटरसेप्ट ने बड़ा दावा किया है। उनके मुताबिक, काश पटेल में दो मौकों पर सार्वजनिक रूप से शराब पीने के आरोप में गिरफ्तार होने की बात स्वीकार की है। एक बार वर्जीनिया में अपने ग्रेजुएशन के दिनों में नाबालिग थे, और दूसरी बार तब, जब वे न्यूयॉर्क शहर में कानून के छात्र थे और शराब पीते समय उन्होंने सार्वजनिक रूप से पेशाब कर दिया था। दरअसल, काश पटेल को एफबीआई प्रमुख बने 14 महीने हो चुके हैं। लंबी शिकायतों के बाद अब ट्रंप सरकार उन्हें हटाने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस बारे में व्हाइट हाउस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

पृष्ठ एक का शेष

बांग्लादेश से आने ...

घुसपैठ का राग अलापा। हिमंत विश्व शर्मा ने दावा किया कि बांग्लादेश से मुसलमानों की लगातार घुसपैठ से जनसंख्या का संतुलन बदल रहा है और यह देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। शर्मा ने कहा कि असम में मुस्लिम आबादी लगभग 40 फीसदी तक पहुंच गई है। शर्मा ने नागरिकता संशोधन कानून का जिक्र करते हुए कहा कि यह कानून पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिम *अल्पसंख्यकों* जैसे हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाईयों के भारतीय नागरिकता का रास्ता साफ करता है, बशर्ते वे 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए हों। शर्मा ने जोर देकर कहा कि इस कानून के तहत बांग्लादेशी हिंदुओं को शरणार्थी माना जाता है, जबकि मुसलमान इसमें शामिल नहीं हैं। असम सीएम ने कहा कि जब हम घुसपैठियों की बात करते हैं, तो हमारा इशारा बांग्लादेशी मुसलमानों की ओर होता है, हिंदुओं की ओर नहीं। शर्मा के मुताबिक कि उनकी पार्टी का रुख साफ है। पीड़ित हिंदू शरणार्थियों की रक्षा करना और अवैध घुसपैठ के खिलाफ सख्त कदम उठाना। खासकर सीमावर्ती राज्यों में यह मुद्दा हमेशा से संवेदनशील रहा है और अब यह सियासी बहस का बड़ा विषय बन चुका है।

असम में 20 अवैध ...

अंतर्राष्ट्रीय निगरानी चौकी (आईसीपी) असम के दरंग में भारत-भूटान सीमा पर स्थित है। असम पुलिस ने पहले कहा था कि 2024 में पड़ोसी देश बांग्लादेश में हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बाद, पुलिस और बीएसएफ कानून के अनुसार गैर-भारतीयों द्वारा बांग्लादेश से देश में प्रवेश करने के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। हालांकि, सभी भारतीय पासपोर्ट धारकों को राज्य में प्रवेश द्वार के माध्यम से संकटग्रस्त बांग्लादेश से लौटने की अनुमति दी गई है।

रिनिकी भुइयां पासपोर्ट ...

दस्तावेजों को रखने से संबंधित गंभीर आरोपों से जुड़ा है और यह भी कहा कि कांग्रेस नेता जांच से बचने की कोशिश कर रहे होंगे, इसलिए सच्चाई का पता लगाने के लिए हिरासत में पूछताछ करना आवश्यक है। यह घटनाक्रम कांग्रेस नेता की ट्रांजिट जमानत याचिका को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने के कुछ दिनों बाद सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें असम की अदालत में जाने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि न तो वह और न ही तेलंगाना उच्च न्यायालय असम की अदालत के काम में बाधा डालेगा, जो इस मामले की सुनवाई करेगी। खेरा ने आरोप लगाया कि शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट हैं और वह कई देशों में कारोबार करती हैं। खेरा को अपने आरोपों पर भाजपा की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा और असम पुलिस ने शर्मा की शिकायत पर 6 अप्रैल को उनके खिलाफ मामला दर्ज किया। खेरा ने हैदराबाद स्थित अपने आवासीय पते का हवाला देते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। उन्होंने तर्क दिया था कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर राजनीतिक प्रतिशोध का परिणाम है। उच्च न्यायालय ने 10 अप्रैल को खेरा को अग्रिम जमानत दे दी थी, लेकिन बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर रोक लगा दी और उन्हें असम की अदालत में याचिका दायर करने को कहा।

लापरवाही की तो ...

के अधिकारी शामिल थे। बैठक में दोनों जगहों से अलग-अलग स्तर के पुलिस अधिकारी मौजूद थे। इसी दौरान निर्वाचन आयोग के अधिकारी ने यह चेतावनी दी। आयोग ने विशेष रूप से विभिन्न थानों के प्रभारी अधिकारियों (ओसी) और प्रभारी निरीक्षकों की जिम्मेदारियां तय की हैं और उन्हें इस बात के लिए जवाबदेह बनाया है कि मतदान के दिन या उससे पहले मतदाताओं को डराने या उन्हें धमकाने तथा विस्फोटकों के इस्तेमाल के मामलों पर कड़ी निगरानी रखी जाए और कार्रवाई की जाए। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक सूत्र ने बताया कि पुलिस अधिकारियों को अपने क्षेत्र में विस्फोटकों के इस्तेमाल या मतदाताओं को डराने-धमकाने की किसी भी घटना को सख्ती से संभालना होगा। ऐसे मामलों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित प्रभारी अधिकारी या प्रभारी निरीक्षक को विभागीय कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। प्रभारी अधिकारियों और प्रभारी निरीक्षकों को ऐसे मामलों में तत्काल सख्त कार्रवाई करने की सलाह दी गई है। निर्वाचन आयोग ने शनिवार रात ड्यूटी में लापरवाही के आरोप में तीन थानों के थाना प्रभारियों और एक अतिरिक्त थाना प्रभारी को उनके पद से हटा दिया। अलीपुर थाने में प्रभारी अधिकारी और अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी दोनों को बदला गया। इस थाने के अधिकारी क्षेत्र में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आधिकारिक आवास आता है। शनिवार को केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने दक्षिण 24 परगना के डायमंड हार्बर जिले के तहत आने वाले पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश दिया और उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश भी दिए। इनमें एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भी शामिल है।

तिनसुकिया में पान ...

कर दिया। स्थिति अशांत हो गई, और बताया जाता है कि भीड़ के कुछ हिस्सों ने झड़प के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई की। पुलिस ने बाद में हमले के सिलसिले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया। कुल मिलाकर पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। दो वयस्कों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि तीन नाबालिगों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया और बाद में उन्हें सुधार गृह भेज दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना जिले में बार-बार होने वाली मौसमी चुनौती को दर्शाती है, जहां फसल कटाई के मौसम के दौरान सुपारी की बढ़ती कीमतें अक्सर चोरी और अनौपचारिक व्यापार नेटवर्क को जन्म देती हैं। पुलिस ने इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों ने निवासियों से अपील की है कि वे कानून को अपने हाथ में न लें और चेतावनी दी है कि लोक सेवकों के खिलाफ किसी भी प्रकार की हिंसा पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अन्ना हजारे ने सख्त...

कानून (दलबदल विरोधी कानून) लागू हो जाता है, तो इस तरह की गलतियां नहीं होंगी। अन्ना हजारे ने यह भी कहा कि सांसदों के दल बदलने पर कुछ नहीं कह सकता हूं, लेकिन जनता को सोचना होगा। अन्ना हजारे ने मतदाताओं को *राजा* बताया। उन्होंने कहा कि मतदाता ही सर्वोपरि हैं और यह उन्हीं पर निर्भर करता है कि वे किसे वोट दें, सही व्यक्ति को या गलत व्यक्ति को। अगर मतदाता सोच-समझकर निर्णय लेते हैं, तो सभी दलों और गुटों में व्याप्त अनियमितताओं को सुधारा जा सकता है। सत्ता से पैसा और पैसे से वापस सत्ता पाने का एक दुष्चक्र लगातार चल रहा है। यही इन गलत कामों की मूल वजह है। गौरतलब है कि राघव चड्ढा और हरभजन सिंह समेत 7 राज्यसभा सांसदों ने दो दिन पहले आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका दिया। राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं के बीच टकराव की स्थिति कई दिनों से बनी हुई थी। आम आदमी पार्टी में फूट सार्वजनिक रूप से तब सामने आई, जब राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी छोड़ने का एलान किया। उन्होंने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा ज्वाइन करने की घोषणा की। इसके साथ ही, राघव चड्ढा ने हरभजन समेत 4 अन्य सांसदों के नाम भी बताए, जो आम आदमी पार्टी छोड़ी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर आधिकारिक तौर पर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उन्हें सदस्यता दिलाई। इसके साथ ही, उन्होंने चार अन्य राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, विक्रम साहनी और राजिंदर गुप्ता का पार्टी में स्वागत किया।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में ...

पुलिस और पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने मिलकर उसे वहां से हटाने का प्रयास किया। कुछ ही देर में अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया और महिला को उठाकर सभा स्थल से बाहर ले जाया गया। इस बीच प्रधानमंत्री की नजर भी इस घटना पर पड़ी, हालांकि कुछ ही समय में स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और सभा सुचारू रूप से जारी रही। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने महिलाओं के लिए कई योजनाओं और *गारंटी* का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे, जिससे वे सालाना एक लाख रुपए से अधिक कमा सकें। उन्होंने बताया कि 75 लाख महिलाओं को इसका लाभ मिलेगा और उन्हें 20 लाख रुपए तक का ऋण भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिसकी गारंटी बैंक को सरकार देगी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने राज्य में औद्योगिक स्थिति पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हुगली नदी के इस पार पहले कई कारखाने थे, लेकिन अब वहां बंद होने की नौबत आ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते 15 वर्षों में कई जूट मिल बंद हो गई हैं और *सिंडिकेट राज* हावी है। सिंगुर का जिक्र करते हुए उन्होंने राज्य में उद्योग लाने का वादा किया और कहा कि किसानों की जमीन का सही उपयोग नहीं किया गया। साथ ही उन्होंने आलू किसानों के मुद्दे को उठाते हुए आरोप लगाया कि सिंडिकेट किसानों से कम दाम पर खरीदकर महंगे दामों पर बेच रहे हैं।

बंगाल में कांग्रेस ...

चल रहा है, जहां विरोधी आवाजों को डराने और खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति कभी हिंसा पर आधारित नहीं रही है और पार्टी ने हमेशा अहिंसा तथा संविधान के रास्ते पर चलने का संकल्प लिया है। कांग्रेस ने अपने कार्यकर्ता को खोया है, इसके बावजूद पार्टी ने शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों को ही अपनाया है। उन्होंने ताजा मामले में आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी और मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। राहुल गांधी ने कहा कि भारत की अहिंसक परंपरा को कलंकित करने वाली ऐसी राजनीति के सामने कांग्रेस झुकेगी नहीं और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

रिकॉर्ड मतदान से ...

उन्होंने कहा कि यदि सरकार संवेदनशील होती तो निष्पक्ष जांच कराती, लेकिन अदालतों को हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने पंचायत चुनाव 2023 का हवाला देते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब थी कि अदालत को केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश देना पड़ा। प्रधानमंत्री ने संदेशखाली और अन्य घटनाओं का उल्लेख करते हुए महिलाओं की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध है और सत्ता में आने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य को दोगुना किया है और इसके उपयोग को बढ़ावा दिया है, जबकि तृणमूल सरकार उद्योगों को पनपने नहीं दे रही। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में सिंडिकेट राज हावी है, जो किसानों से सस्ते में फसल खरीदकर महंगे दाम पर बेचता है। प्रधानमंत्री ने महिलाओं के लिए कई घोषणाएं करते हुए कहा कि 75 लाख महिलाओं को आर्थिक सहायता दी जाएगी ताकि उनकी आय एक लाख रुपए सालाना से अधिक हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाएं 20 लाख रुपए तक का ऋण ले सकेंगी, जिसकी गारंटी सरकार देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस का उल्लेख करते हुए लोगों से भाजपा को वोट देने की अपील की और कहा कि यह चुनाव *जंगलराज, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और घुसपैठ* से मुक्ति का अवसर है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने ...

एवं वितरण केंद्रों का निरीक्षण किया, जहां मतदान दलों और चुनाव सामग्री की व्यवस्थित आवाजाही को देखा। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की पारदर्शी व्यवस्था और चुनावी प्रबंधन को प्रभावी बताया। प्रतिनिधियों ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और जिला स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा और चुनाव संचालन की जानकारी ली। इस दौरान बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर से मतदान की सुविधा को विशेष रूप से सराहा गया। मतदान दिवस पर प्रतिनिधियों ने प्रारंभिक परीक्षण मतदान प्रक्रिया देखी और इसके बाद विभिन्न मतदान केंद्रों पर जाकर वास्तविक मतदान का अवलोकन किया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर रैंप, व्हीलचेयर, स्वयंसेवक और शिशु देखभाल जैसी सुविधाओं को समावेशी व्यवस्था का उदाहरण बताया। तमिलनाडु में सुव्यवस्थित और रंग आधारित मतदान केंद्रों तथा न्यूनतम सुनिश्चित सुविधाओं की व्यवस्था की सराहना की गई, जबकि पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य जांच सेवाओं और मोबाइल जमा सुविधा जैसे नवाचारों को उपयोगी बताया गया। प्रतिनिधियों ने मतदान केंद्रों की शत-प्रतिशत वेब प्रसारण निगरानी व्यवस्था को पारदर्शिता का मजबूत आधार बताया और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता की सराहना की। इससे पहले 8 और 9 अप्रैल को 22 देशों के 38 प्रतिनिधियों ने असम, केरल और पुडुचेरी में चुनाव प्रक्रिया का अवलोकन किया था। इस प्रकार कार्यक्रम के तहत कुल 38 देशों के 70 प्रतिनिधि भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव प्रक्रिया का निरीक्षण कर चुके हैं।

देश में ईंधन ...

ध्यान न दें। मंत्रालय ने बताया कि मार्च 2026 से अब तक लगभग 5.45 लाख पीएनजी कनेक्शन सक्रिय किए गए हैं, जबकि 2.62 लाख अतिरिक्त कनेक्शनों के लिए आधारभूत ढांचा तैयार किया गया है। साथ ही 42,500 से अधिक उपभोक्ताओं ने पीएनजी अपनाते हुए एलपीजी कनेक्शन सरेंडर किए हैं। सरकार ने आपूर्ति प्रबंधन को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। एलपीजी की मांग को संतुलित करने के लिए, वैकल्पिक ईंधनों जैसे केरोसिन और कोयले की उपलब्धता भी बढ़ाई गई है। वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता के आधार पर अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों को दिया जा रहा है। साथ ही प्रवासी श्रमिकों के लिए 5 किलोग्राम सिलेंडरों की आपूर्ति बढ़ाई गई है। मंत्रालय ने बताया कि जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए देशभर में सख्त कार्रवाई जारी है। बीते दिन 2100 से अधिक छापेमारी की गई, जबकि 310 गैस एजेंसियों पर जुर्माना लगाया गया और 70 एजेंसियों को निलंबित किया गया है। पश्चिम एशिया क्षेत्र में भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भी सरकार सक्रिय है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि अब तक 2,764 भारतीय नाविकों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है, जिनमें पिछले 24 घंटों में 24 लोग शामिल हैं। 28 फरवरी से अब तक करीब 12.96 लाख यात्री इस क्षेत्र से भारत लौट चुके हैं। सरकार ने कहा कि सभी बंदरगाहों पर संचालन सामान्य है और भारतीय जहाजों या नाविकों के साथ किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। विदेश मंत्रालय और अन्य एजेंसियां क्षेत्र में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी कर रही हैं।

व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स ...

मेलानिया ट्रंप बॉलरूम पहुंच चुके थे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा कि वह जल्द ही व्हाइट हाउस से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। ट्रंप ने लिखा कि वह, प्रथम महिला, उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के सभी सदस्य पूरी तरह से सुरक्षित हैं। मैंने इस कार्यक्रम के प्रभारी सभी प्रतिनिधियों से बात कर ली है। डिनर का आयोजन 30 दिनों के अंदर दोबारा किया जाएगा। ट्रंप ने सीक्रेट सर्विस के एजेंट और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कहा यह सब बहादुर हैं। उन्होंने कहा कि हमलावर को पकड़ लिया गया है। मौके से हासिल फुटेज में नजर आ रहा है कि गोलियों की आवाज सुनने के बाद ट्रंप और वहां मौजूद लोग अपनी मेजों के पीछे छुप गए। इस दौरान चिल्ला रहे थे कि नीचे झुक जाओ। इसके बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ट्रंप को तेजी से घटनास्थल से दूर ले गए। फिर एजेंट्स ने कार्यक्रम स्थल को चारों ओर से घेर लिया। डिनर में आमंत्रित अल जजीरा के पत्रकार क्रिस शेरिडन ने बताया कि उन्होंने बॉलरूम के बाहर गोलियों की पांच आवाजें सुनीं। हम तुरंत जमीन पर लेट गए। गोलीबारी ठीक मेरे पीछे हुई। गोली बॉलरूम के प्रवेश द्वार के दरवाजों के पीछे हुई। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। यह घटना रात लगभग 8:30 बजे हुई। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप इस समय व्हाइट हाउस में हैं। राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर लिखा है कि वह प्रेस कांफ्रेंस करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पुष्टि की कि ट्रंप ब्रीफिंग रूम से ही संबोधित करेंगे। सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध ने कुल मिलाकर पांच से आठ गोलियां चलाई गईं। संदिग्ध बंदूकधारी तको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर की अध्यक्ष और सीबीएस न्यूज की पत्रकार वेइजिया जियांग ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी तरह ठीक हैं। वह प्रेस कांफ्रेंस करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भगवान का शुक्र है कि हम सब सुरक्षित हैं। आज रात एक साथ आने के लिए आप सबका धन्यवाद। हम फिर मिलेंगे।

हावड़ा में सांसद...

जिसके जवाब में भाजपा समर्थकों ने *जय श्रीराम* के नारे लगाए। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई और स्थिति हाथापाई तक पहुंच गई। भाजपा का आरोप है कि उनकी रैली को रोकने की कोशिश की गई और तृणमूल कार्यकर्ताओं ने उनके झंडे हटाकर वहां अपने झंडे लगा दिए। वहीं तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा की रैली के दौरान उनके पार्टी कार्यालय पर हमला किया गया और तोड़फोड़ की गई। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस और केंद्रीय बल मौके पर पहुंचे और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस के अनुसार फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, हालांकि इलाके में तनाव और भय का माहौल बना हुआ है। भाजपा उम्मीदवार उमेश राय ने आरोप लगाया कि रैली के दौरान तृणमूल कार्यकर्ताओं ने झंडे फाड़े और जय बांग्ला के नारे लगाए। उन्होंने कहा कि यह तृणमूल की राजनीतिक संस्कृति को दर्शाता है। वहीं तृणमूल उम्मीदवार गौतम चौधरी ने भाजपा पर बाहरी लोगों को लाकर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकर्ता केवल पार्टी झंडे लगा रहे थे, तभी भाजपा समर्थकों ने हमला किया और जय श्रीराम के नारे लगाए। दोनों ही पार्टियों ने इस घटना को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की बात कही है।

पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर ...

सुना। बयान में बताया गया है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे पूर्वोत्तर के लोग बांस की खेती के जरिए आत्मनिर्भरता हासिल कर रहे हैं। उन्होंने त्रिपुरा के गोमती जिले के बिजोय सूत्रधार और दक्षिण त्रिपुरा के प्रदीप चक्रवर्ती जैसे प्रेरणादायक उदाहरणों का जिक्र किया, जिन्होंने बांस से बनी हस्तशिल्प और सजावटी चीजों के साथ वैश्विक बाजारों में सफलतापूर्वक अपनी जगह बनाई है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे नगालैंड के युवा बांस की कोंपलों से कई तरह के खाद्य उत्पाद बना रहे हैं, जबकि मिजोरम के किसान खेती के लिए ग्रीनहाउस बनाने में बांस का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने सिक्किम के गंगटोक में *लगास्ट बंबू एंटरप्राइज* के सदस्यों का भी जिक्र किया, जो विश्व-स्तरीय हस्तनिर्मित बांस उत्पाद बना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भारत के नागरिकों और वैश्विक समुदाय को बांस के उत्पाद खरीदने और उन्हें दोस्तों और परिवार के लिए एक सार्थक उपहार के तौर पर देने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के बीच पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में इस कार्यक्रम को सुना। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने पूर्वोत्तर में बांस अर्थव्यवस्था की संभावनाओं पर जोर देने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, अपनी बांस-आधारित संरचनाओं के साथ, इस क्षेत्र के फलते-फूलते बांस उद्योग का एक जीता-जागता प्रमाण है।

बिहू समितियों को रात 12 बजे से पहले कार्यक्रम समाप्त करने का आह्वान

गुवाहाटी (हिंस)। निशामनि हालोई की हुई दर्दनाक दुर्घटना के बाद बिहू सुरक्षा समिति ने राज्यभर की सभी बिहू समितियों से अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम रात 12 बजे से पहले समाप्त करने का आह्वान किया है। समिति ने कहा कि देर रात तक चलने वाले कार्यक्रमों के बाद दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए आयोजकों को अधिक सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है। घटना के मद्देनजर समिति ने सभी बिहू आयोजकों से सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए समय सीमा का कड़ाई से पालन करने की अपील की है। साथ ही बिहू सुरक्षा समिति ने प्रशासन से भी आवश्यक दिशा-निर्देश लागू करने और ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है।

गुवाहाटी सड़क हादसे में तीन युवतियों की मौत के बाद फरार चालक की तलाश जारी

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के मठघरिया इलाके में रविवार की तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में तीन युवतियों की दर्दनाक मौत के बाद से फरार चालक की तलाश जारी है। उल्लेखनीय है कि यह हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने गुवाहाटी के मठघरिया स्थित गेट अस्पताल के समीप खड़े एक ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान ग्वालपाड़ा के कृष्णाई की पूजा साहा, चराईदेव के सापेखाटी की आकांक्षा सैकिया और आर्मिना अहमद उर्फ नेहा खान के रूप में हुई है। घटना के बाद रविवार को आकांक्षा सैकिया के पिता का भावुक बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि रात करीब 11 बजे उनकी बेटी से आखिरी बार फोन पर बात हुई थी। उन्होंने कहा कि उसने बताया कि कमरे में बिजली नहीं है और मोबाइल में चार्ज भी कम है। हमने गुड नाइट कहा और सो गए। सुबह हादसे की सूचना मिलने पर परिवार तुरंत गुवाहाटी के लिए रवाना हुआ। पिता को सोने के लिए कहने के बाद आकांक्षा घर से क्यों निकली, यह अब भी रहस्य बना हुआ है। हादसे का पूरा दृश्य सीसीटीवी में कैद हो गया है, जिसमें दिख रहा है कि गाड़ी गीतानगर की ओर से तेज रफ्तार में आकर खड़े ट्रक से टकराती है। इधर, हादसे के बाद से कार का चालक फरार है। उसकी पहचान शमीम अहमद के रूप में हुई है, जो अगरतला का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, वाहन एक ट्रैवल एजेंसी से किराए पर लिया गया था। शमीम अहमद का मोबाइल फोन फिलहाल बंद है, जिससे उसकी तलाश में मुश्किल हो रही है। बताया जा रहा है कि वह नेहा खान का करीबी और पूजा साहा का सहपाठी था। पुलिस ने फरार चालक की गिरफ्तारी के लिए अभियान तेज कर दिया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

दक्षिण कामरूप के सोनतली में पुलिस कार्रवाई, पांच अपहरणकर्ता गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। दक्षिण कामरूप जिले के सोनतली क्षेत्र में पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान पांच अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई गुवाहाटी के नूनमाटी थाने में दर्ज एक मामले के आधार पर की गई, जिसमें अपहृत व्यक्ति सानिदुल अली को सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साजिद अली, हैदर अली, अबु जुबैर आकंद और राकिब अली के रूप में हुई है, जबकि एक अन्य आरोपी को भी हिरासत में लिया गया है। सभी आरोपियों को नूनमाटी पुलिस के हवाले कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, सोनापुर निवासी सानिदुल अली को आरोपियों ने सोनतली बुलाकर उसका अपहरण कर लिया था और उसकी रिहाई के लिए एक लाख रुपए की फिरौती की मांग की थी। मामले में यह भी सामने आया है कि अपहरण की साजिश में पीड़ित का एक रिश्तेदार (बहनोई) भी शामिल था। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान एक स्विफ्ट कार भी जब्त की है, जिसका उपयोग अपहरण की घटना में किया गया था। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

भावना शर्मा लापता मामले में नए खुलासे

गुवाहाटी (हिंस)। भावना शर्मा के लापता मामले में नए-नए तथ्य सामने आ रहे हैं, जिसके बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है और शहर के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी अभियान चलाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जालुकबाड़ी पुलिस की एक टीम ने भावना शर्मा के कथित प्रेमी निहारज्योति शर्मा के घर पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई मामले की जांच के तहत की गई। इसी के साथ पुलिस की एक अन्य टीम ने हाथीगांव स्थित एक आवास पर भी छापेमारी की, जिससे मामले की जांच का दायरा और विस्तृत किया गया है। इस बीच, निहारज्योति शर्मा के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न करने के आरोप भी लगाए गए हैं। पुलिस इन आरोपों की भी गंभीरता से जांच कर रही है और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार की सुबह शिक्षक भावना शर्मा अपनी मां को *आई एम इन डेंजर* मैसेज देने के बाद उस समय लापता हो गई थी, जब वह अपने स्कूल जा रही थी। बाद में शनिवार की सुबह उसे शिलांग में पोलो ग्राउंड के समीप एक होटल के बाहर रोते हुए अवस्था में पाया गया। गुवाहाटी पुलिस शनिवार की शाम भावना शर्मा को शिलांग से लेकर गुवाहाटी पहुंची। फिलहाल उनसे पूछताछ जारी है।

सिलचर में *बलिदानी मंगल पांडेय स्मृति पुरस्कार* समारोह आयोजित, 16 हस्तियां सम्मानित

सिलचर (हिंस)। कछार जिला मुख्यालय शहर में आज बलिदानी मंगल पांडेय की पुण्यतिथि के अवसर पर सिलचर में आयोजित समारोह में बराक घाटी के 16 विशिष्ट व्यक्तियों को *बलिदानी मंगल पांडेय स्मृति पुरस्कार* से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बलिदानी मंगल पांडेय स्मृति न्यास, सिलचर द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत घुंघूर बायपास स्थित मंगल पांडेय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद विमेंस कॉलेज, सिलचर के सभागार में मुख्य समारोह आयोजित हुआ, जहां अतिथियों का सम्मान, दीप प्रज्ज्वलन और औपचारिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। समारोह में वक्ताओं ने मंगल पांडेय के अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और युवाओं को देशहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर समाज, शिक्षा, साहित्य और सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 16 लोगों को सम्मानित किया गया। प्रमुख सम्मानितों में कृपा नारायण राय, सूर्य कुमार शर्मा, बिधान चंद्र भट्टाचार्य, मुरलीधर कानू, डॉ. सुजीत तिवारी, राजेंद्र पांडेय, शांतनु नायक, सुरेंद्र वैद, चंद्रमा प्रसाद कोईरी, पंडित सीताराम गोस्वामी, दिवाकर राय, विवेकानंद देव पुरकायस्थ, शुभंकर भट्टाचार्य और संजीव सिंह शामिल रहे। वहीं मरणोपरांत राजीव नोनिया और श्याम सुंदर दुसाध को भी सम्मानित किया गया। मंचासीन अतिथियों में आचार्य आनंद शास्त्री, न्यास के अध्यक्ष कमलेश सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी महावीर जैन, सीआरपीएफ के डीआईजी यूपी सिंह, विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष शांतनु नायक, विमेंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुजीत तिवारी, *प्रेरणा भारती* के प्रकाशक दिलीप कुमार, डॉ. अमित कलवार तथा सिलचर प्रेस क्लब के सचिव शंकर दे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

नशामुक्ति केंद्र में जबरन गोमांस खिलाने का आरोप, छह कर्मचारी गिरफ्तार; पांच मरीज फरार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के गौरीपुर स्थित एक नशामुक्ति केंद्र में मरीजों के साथ अमानवीय व्यवहार का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केंद्र के छह कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि निबारन रिहैब सेंटर के अधिकारियों ने इलाज के नाम पर मरीजों को जबरन गोमांस खाने के लिए मजबूर किया और उनके साथ शारीरिक अत्याचार तथा मानसिक उत्पीड़न किया। बताया गया है कि अत्याचार सहन न कर पाने के कारण पांच मरीज नशामुक्ति केंद्र से फरार हो गए, जिसके बाद यह मामला उजागर हुआ। पीड़ितों की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर गौरीपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। मामले की जांच जारी है।

मोरीकलोंग डकैती कांड का मास्टरमाइंड उमर अली गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। मोरिकलोंग में हुए डकैती कांड में नगांव पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले के मास्टरमाइंड उमर अली को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही मिंटू हुसैन नामक एक अन्य आरोपी को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, डॉ. रंजित सैकिया के घर में हुई डकैती के सिलसिले में चलाए गए अभियान के दौरान दोनों आरोपियों को पकड़ा गया। इस दौरान पुलिस ने घर से लूटे गए नकद धन को भी बरामद किया है। हालांकि, इस घटना में शामिल अन्य तीन आरोपी अभी भी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। ज्ञात हो कि बीते 23 अप्रैल की रात को डकैतों के दल ने डॉक्टर दंपत्ति पर हमला कर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। दोनों को गंभीर स्थिति में गुवाहाटी में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। पुलिस ने बताया कि उमर अली एक आदतन अपराधी है और वह पहले भी कई डकैती मामलों में शामिल रह चुका है। वह नगांव जिले के रूपही क्षेत्र के बरघुली गांव का निवासी है। मामले की जांच जारी है।

नशामुक्ति के खिलाफ धुबड़ी में मैराथन दौड़ कार्यक्रम आयोजित

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी में आज 26 अप्रैल 2026 को नशे के खिलाफ मैराथन एक अभियान के तहत शहर के राजा प्रभात चंद्र गुरु अखिल मैदान से लेकर शहर के जीटीवी रोड से होते हुए चिला राय नर्सिंग रूम तक करीब 5 किलोमीटर पहले टीम उसके बाद दूसरा टीम राजा प्रभात चंद्र बरुवा खेल मैदान से लेकर शहर के मोदेर गोला तक करीब 21 किलोमीटर तक इसके बाद तीसरा टीम राजा प्रभात चंद्र बरुवा खेल मैदान से लेकर गौरीपुर शहर की गोई बाजार तक कुल मिलाकर जाने और आने को लेकर 42 किलोमीटर तक मैराथन जो की एक नशे के खिलाफ दौड़ लगाया जिसमें करीब 800 लोगों ने पार्टिसिपेट किया सूत्र से पता चला है कि भारतवर्ष के आने को लोगों ने भाग लिया जिसमें लोकल बच्चे और जवान के साथ साथ ओल्ड एज के लोगों ने भी भाग लिया।

शिवस्थान पुलिस चौकी के भीतर सामूहिक हमला तीन लोग घायल

नगांव (हिंस)। नगांव जिले में एक चौंकाने वाली घटना में पुलिस पिकेट के भीतर ही तीन लोगों पर एक समूह द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि घायलों की पहचान दीपज्योति सैकिया, दीपांकर सैकिया और पवित्र सैकिया के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संदिग्ध लोगों के एक समूह ने लोहे के पाइप से तीनों पर हमला किया, जिससे वे घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह हमला शिवस्थान पुलिस चौकी परिसर के भीतर ही हुआ, जिससे यह सवाल उठता है कि सुरक्षित क्षेत्र में इस तरह की घटना कैसे हुई। घटना के संबंध में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान अबू बक्कर हुसैन, इकरामुल हुसैन और मुक्सिदुल हक के रूप में हुई है।

पूसीरे के आरपीएफ ने 29 लाख से अधिक मूल्य का गांजा किया जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। रेलवे के माध्यम से प्रतिबंधित पदार्थों के परिवहन के खिलाफ अपनी निरंतर अभियान को जारी रखते हुए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अपने क्षेत्राधिकार में गांजा तस्करी को रोकने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। बीते 20 से 22 अप्रैल तक किए गए गहन जांच और अभियानों के दौरान, आरपीएफ टीमों ने पूसीरे क्षेत्राधिकार के विभिन्न रेलवे स्टेशनों से लगभग 60 किलो गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत 29 लाख रुपए से अधिक है। इसके अतिरिक्त, गांजा की अवैध परिवहन में शामिल तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित जीआरपी आउटपोस्ट को सौंप दिया गया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि बीते 22 अप्रैल को अगरतला की आरपीएफ टीम ने जीआरपी के साथ संयुक्त रूप से अगरतला रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति को पकड़ा और उसके पास से लगभग 6 किलो गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 3 लाख है, जब्त किया। पकड़े गए व्यक्ति को जब्त मादक पदार्थ सहित जीआरपी/अगरतला आउटपोस्ट को सौंप दिया गया। इसी कड़ी में 21 अप्रैल को अन्य एक बड़ी कार्रवाई में, अगरतला के आरपीएफ टीम ने जीआरपी के साथ समन्वय में अगरतला रेलवे स्टेशन पर दो व्यक्तियों को पकड़ा और उनके कब्जे से लगभग 21.48 किलो गांजा जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 10.74 लाख है। पकड़े गए व्यक्तियों को जब्त गांजे सहित आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए जीआरपी/अगरतला आउटपोस्ट को सौंप दिया गया। जबकि, 20 अप्रैल को न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन के आरपीएफ कर्मियों ने नियमित तालशी और अभियान के दौरान दो अलग-अलग घटनाओं में भारी मात्रा में लावारिस गांजा बरामद किया। पहले मामले में करीब 9 लाख रुपए कीमत की लगभग 18 किलो गांजा बरामद किया गया; जबकि दूसरे मामले में लगभग 13.80 किलो गांजा जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 6.90 लाख है। दोनों ही मामलों में बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी आउटपोस्ट, न्यू जलपाईगुड़ी को सौंप दिया गया। मादक पदार्थों की तस्करी के लिए रेलवे परिसरों और ट्रेनों का दुरुपयोग रोकने हेतु पूसीरे की आरपीएफ लगातार विशेष अभियान, निगरानी और खुफिया आधारित कार्रवाई कर रही है। ये निरंतर प्रयास, अपने क्षेत्राधिकार में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाकर यात्रियों के लिए सुरक्षित और संरक्षित रेलवे वातावरण सुनिश्चित करने के प्रति एनएफआर की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

अभामामस की रंगिया शाखा में नए पदाधिकारियों ने ली शपथ

रंगिया (विभास)। रंगिया की प्रमुख स्वेच्छासेवी संस्था अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन (अभामामस) की रंगिया शाखा में रविवार को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। स्थानीय स्टेशन रोड स्थित पंजाब मैजिस्ट्री होटल में हुए इस कार्यक्रम में शाखा की नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल, सचिव संगीता सिकरिया और कोषाध्यक्ष सोनम सिकरिया (परोक्ष रूप से) ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। राजस्थानी थीम पर सजा इस भव्य आयोजन में सभी सदस्यों ने पारंपरिक राजस्थानी परिधानों में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान खेल-कूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इसके अलावा सभी ने स्वादिष्ट राजस्थानी व्यंजनों का आनंद लिया। निवर्तमान पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए पूर्व अध्यक्ष प्राची सिकरिया, पूर्व सचिव अरुणा अग्रवाल, पूर्व कोषाध्यक्ष सुषमा सिकरिया सहित गुड्डी सिंघानिया और मोनिका अग्रवाल को उनकी सक्रिय भूमिका के लिए प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। इसके अलावा सभी सदस्यों को उनकी भागीदारी के लिए उपहार भेंट किया गया।

रंगिया ब्लॉक क्लब का 13वां वार्षिक *बसंत उत्सव* का भव्य आयोजन सात मई से

रंगिया (विभास)। असमिया संस्कृति, परंपरा और जन-आकांक्षाओं के प्रतीक के रूप में पहचाने जाने वाले अग्रणी *रंगिया ब्लॉक क्लब* इस वर्ष भी अपने गौरवशाली इतिहास को दोहराने के लिए तैयार है। क्लब के तत्वावधान में आगामी 7 मई 2026 (बृहस्पतिवार) को एक दिवसीय भव्य रंगारंग कार्यक्रमों के साथ *त्रयोदश वार्षिक बसंत उत्सव* का आयोजन किया जाएगा। इसवर्ष यह यह उत्सव असम के चहेते कलाकार जुबिन गर्ग की स्मृति को समर्पित किया गया है। इस मौके पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे जिसकी शुरुआत सुबह 8 बजे सफाई अभियान के साथ होगी, जिसका उद्घाटन रंगिया नगर पालिका के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर करेंगे। इसके पश्चात सुबह 9 बजे उत्सव समिति के अध्यक्ष दिगंतो कलिता द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा और कलाकार जुबिन गर्ग की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी और दीप प्रज्ज्वलित किया जाएगा। इसके अलावा प्रमुख कार्यक्रमों की रूपरेखा के अनुसार सुबह 9-30 बजे क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों का अभिनंदन और उनका आशीर्वाद ग्रहण समारोह। सुबह 10-00 बजे आमंत्रित शिशु बिहू हुसोरी दल द्वारा मनमोहक प्रदर्शन। दोपहर 3 बजे जुबिन गर्ग के गीतों पर आधारित *बिहू नृत्य प्रतियोगिता* का आयोजन। शाम 6-00 बजे शुभचिंतकों और सहयोगियों का सम्मान समारोह। वहीं शाम 6-30 बजे से सांस्कृतिक मंच का उद्घाटन होगा। मंच का उद्घाटन विशिष्ट व्यवसायी एवं समाजसेवक धनेश्वर कलिता करेंगे, जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विधिवत शुभारंभ रंगिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक भवेश कलिता के हाथों संपन्न होगा। इस शाम को यादगार बनाने के लिए कई नामी कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे, जिनमें मुख्य रूप से गौरांगो दत्त, नियर पोरोश, मिस मोमी, प्रिंस निहित, नील विकास, धियाना कौशिक और दीपशिखा बोरा शामिल हैं। साथ ही, स्थानीय महिला सदस्यों द्वारा सामूहिक संगीत और *वीर चिलाराय सांस्कृतिक समूह* द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति एवं बिहू हुसोरी दल और स्थानीय कलाकारों द्वारा गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी।

ग्वालपाड़ा के बालीजाना में भीषण आग, किराना दुकान जलकर राख

ग्वालपाड़ा (हिंस)। असम के ग्वालपाड़ा जिले के आगिया क्षेत्र अंतर्गत बालीजाना में भीषण अग्निकांड की जानकारी सामने आई है, जिसमें एक किराना दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गई। पुलिस प्रवक्ता द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार, बालीजाना बाजार स्थित स्थानीय व्यवसायी प्रांजल दास की दुकान में बीती रात अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दुकान में रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। प्रारंभिक आशंका है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी, हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। अग्निशमन विभाग की टीम ने पुलिस और स्थानीय लोगों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे फैलने से रोका।

असम ने त्रिपुरा के खिलाफ सेकेंड नॉर्थ ईस्ट राइजिंग कप 2025 का खिताब जीता

गुवाहाटी। असम ने रविवार को गुवाहाटी के जजेस फील्ड में सेकेंड नॉर्थ ईस्ट राइजिंग कप 2026 (अंडर-15 गर्ल्स) के फाइनल में त्रिपुरा को वीजेडी मेथड से 11 रनों से हराकर जीत हासिल की। यह टूर्नामेंट, जिसकी मेजबानी असम क्रिकेट एसोसिएशन ने नॉर्थ ईस्ट के सभी क्रिकेट एसोसिएशनों के सहयोग से की थी- और जो नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने और मजबूत करने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा था- सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करते हुए, असम ने 34.5 ओवरों में सभी विकेट खोकर 177 रनों का एक प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। असम की ओर से, अंकिता छेत्री ने सबसे ज्यादा 39 गेंदों में 40 रन बनाए, उनके बाद आराध्या दत्ता (51 गेंदों में 37 रन) और मुर्शाना बरुवा (24 गेंदों में 22 रन) का योगदान रहा। त्रिपुरा के गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन किया; दीया सरकार ने 2/39 के आंकड़े दर्ज किए, जबकि पूर्बा चौधरी (1/23) और रिद्धि नामा (1/29) ने महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाईं। जवाब में, त्रिपुरा ने 15 ओवरों में 51/2 रन बनाए थे, जिसमें सायंतिका सूत्रधार ने 48 गेंदों में 24 रन और क्रिस्टीना रेमा ने 20 गेंदों में 14 रन जोड़े। असम के लिए नौसिन अफरा अंजुम ने 1/27 का प्रदर्शन किया। हालांकि, बारिश के कारण खेल बाधित हो गया और आगे का खेल संभव नहीं हो सका। वीजेडी मेथड के अनुसार, त्रिपुरा के लिए 15 ओवरों में लक्ष्य 63 रन निर्धारित किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप असम ने यह मैच 11 रनों से जीत लिया। समापन समारोह की शोभा मुख्य अतिथि के रूप में बीसीसीआई के मानद सचिव श्री देवजीत सैकिया और विशिष्ट अतिथि के रूप में आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के सदस्य और नॉर्थ ईस्ट राइजिंग कप के संयोजक एमकेजे मजूमदार ने बढ़ाई। इस अवसर पर उपस्थित अन्य लोगों में असम क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव सनातन दास, एसीए के उपाध्यक्ष रोमेन दत्ता, एसीए के संयुक्त सचिव राजेंद्र सिंह और एपेक्स काउंसिल के सदस्य मुकुतानंद भट्टाचार्य शामिल थे। इस कार्यक्रम में त्रिपुरा सीए के सचिव सुब्रत दे, मेघालय सीए के सचिव रेयोनल्ड खारकामनी और मणिपुर सीएम के सचिव लैरेनजम गीतरंजन सिंह भी उपस्थित रहे। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल और नॉर्थ ईस्ट राइजिंग कप के संयोजक एमकेजे मजूमदार ने बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया का, नॉर्थ ईस्ट राइजिंग कप की परिकल्पना और उसे साकार करने में उनके दृष्टिकोण और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहलें नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र में प्रतिभा की पहचान और उसके विकास के लिए एक मजबूत मार्ग बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि बोर्ड महिला क्रिकेट के विकास को लगातार प्राथमिकता दे रहा है और देश के सभी क्षेत्रों में इसके लिए एक मजबूत नींव बनाने के लिए समर्पित है।

संपादकीय

कमर तोड़ने का संकल्प

कमर तोड़ने का संकल्प मंगलवार को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निर्देशन में लश्कर-ए-तोयबा और हमास ने निदरेश पर्यटकों को मारकर मुल्ला जनरल आसिम मुनीर को तो खुश कर दिया किन्तु उसके एक दिन बाद ही भारत ने 5 बड़े फैसले लेकर पाकिस्तान को एहसास दिला दिया कि अब नई दिल्ली उसके प्रति कोई नरमी बरतने वाली नहीं है। कैबिनेट की सुरक्षा समिति यानि सीसीएस ने यह फैसला लिया कि 1960 में लागू सिंधु जल संधि निरस्त होगी, अटारी वाघा बार्डर चेक पोस्ट बंद होगा, भारत में रह रहे दक्षेश वीजा पर सभी नागरिकों को भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत वायुसेना, नेवी और थल सेना के सलाहकार गैर जरूरी घोषित किए गए और उच्चायोग में पाकिस्तानी राजनयिकों की संख्या घटाई गई। बृहस्पतिवार यानि एक दिन बाद ही भारत की कार्रवाई से बिलबिलाए पाकिस्तान ने कहा कि सिंधु जल संधि के तहत उसके लिए निर्धारित जल को मोड़ने का कोई कदम युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। साथ ही उसने भारत द्वारा की गई बुधवार की कार्रवाई के जवाब में भारत के साथ व्यापार, शिमला समझौते सहित सभी द्विपक्षीय समझौतों और हवाई क्षेत्रों को निलंबित करने की घोषणा की। मजे की बात तो यह है कि बुधवार को भारत के सीसीएस के फैसले के जवाब में पाकिस्तान के फैसले का भारत पर कोई खास असर पड़ने वाला नहीं है। पाकिस्तान ने जिन समझौतों को निलंबित किया है उनको उसने कभी माना ही नहीं। वह इससे ज्यादा कुछ कर भी नहीं सकता था किन्तु भारत के एक सिंधु जल समझौते का इतना महत्व है कि उसे तोड़ने को वह युद्ध मान रहा है। पाकिस्तान की हकीकत जान लेना बहुत जरूरी है क्योंकि उसने धमकी तो दे दी किन्तु वास्तविकता यह है कि उसकी फौज में न सिर्फ मुल्ला मुनीर को लेकर जबरदस्त विरोध है बल्कि हमास आतंकियों के साथ आईएसआई का बाल्डी खेल दुनिया को बहुत ही खराब लग रहा है। यही कारण है कि इजराइल और अमेरिकी पेंटागन के अधिकारी एक स्वर में बोल रहे हैं कि पाकिस्तान की आईएसआई भी हमास की तर्ज पर ही निदरेषों की जान लेती है, इसलिए इनको सबक सिखाना जरूरी है। 5 फरवरी को जब हमास और पाक आतंकी संगठन पीओके में भारत के खिलाफ आग उगल रहे थे तब दुनिया ने देखा था। पाकिस्तान कश्मीरियों के चेहरे पर पर्यटन बढ़ने और विकास के कारण खुशी को बर्दाश्त न कर पाने की वजह से बौखलाहट में ठीक उसी तरह पहलगाम में निदरेष पर्यटकों को मारा जिस तरह हमास ने 7 अक्टूबर 2023 में मौज मस्ती कर रहे निदरेष इजरायली नागरिकों को नाम पूछकर सिर में गोली मारी थी। पाकिस्तान को लगता है कि विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुए सिंधु जल समझौते को भारत नहीं तोड़ पाएगा, किन्तु वह इस बात को नहीं समझ पा रहा है कि भारत अब किसी की भी परवाह नहीं करता। किन्तु पाकिस्तान को विश्व बैंक ने बुधवार को ही एक द्विवाषिक रिपोर्ट दी है कि पाकिस्तान में एक करोड़ लोक खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं। वहां गरीबी दर में बढ़ोतरी और आर्थिक विकास की दर कम होकर 2.7 प्रतिशत हो गई है। विश्व बैंक ही नहीं पाकिस्तानी चैनल ट्रिब्यून पीके के मुताबिक 62 प्रतिशत महिलाएं और 37 प्रतिशत युवा न तो पढ़ाई कर रहे हैं और न रोजगार। यही नहीं पाकिस्तान के तीन राज्य ब्लूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वां पहले ही अलगाववाद की राह पर हैं और गुलाम कश्मीर में अशांति फैली है। पाकिस्तान के लिए इन तीनों क्षेत्रों को बचाकर रख पाना बहुत मुश्किल है। अब यदि पाकिस्तान एक पूर्व सैन्य अधिकारी आदिल राजा की बात मान लें कि तो मुल्ला मुनीर अपने कार्यकाल को बढ़ाने के लिए भारत से तनाव बढ़ाने हेतु पहलगाम में नरसंहार करवाया है। यह तथ्य पूरा होता है कि पाक आम युद्ध भले चिल्लाए किन्तु वह पिटने का रिकार्ड बना चुकी है। लब्बोलुआब यह है कि पाकिस्तान युद्ध की भाषा से चाहे जितना भारत को डरवाए किन्तु वास्तविकता तो यह है कि युद्ध से परेशानी तो सभी को होती है इस युद्ध का नुकसान भारत को भी होगा किन्तु पाकिस्तान के सामने अस्तित्व का संकट पैदा हो जाएगा।

आईएसआई के निर्देशन में लश्कर-ए-तोयबा और हमास ने निदरेश पर्यटकों को मारकर मुल्ला जनरल आसिम मुनीर को तो खुश कर दिया किन्तु उसके एक दिन बाद ही भारत ने 5 बड़े फैसले लेकर पाकिस्तान को एहसास दिला दिया कि अब नई दिल्ली उसके प्रति कोई नरमी बरतने वाली नहीं है। कैबिनेट की सुरक्षा समिति यानि सीसीएस ने यह फैसला लिया कि 1960 में लागू सिंधु जल संधि निरस्त होगी, अटारी वाघा बार्डर चेक पोस्ट बंद होगा, भारत में रह रहे दक्षेश वीजा पर सभी नागरिकों को भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत वायुसेना, नेवी और थल सेना के सलाहकार गैर जरूरी घोषित किए गए और उच्चायोग में पाकिस्तानी राजनयिकों की संख्या घटाई गई। बृहस्पतिवार यानि एक दिन बाद ही भारत की कार्रवाई से बिलबिलाए पाकिस्तान ने कहा कि सिंधु जल संधि के तहत उसके लिए निर्धारित जल को मोड़ने का कोई कदम युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। साथ ही उसने भारत द्वारा की गई बुधवार की कार्रवाई के जवाब में भारत के साथ व्यापार, शिमला समझौते सहित सभी द्विपक्षीय समझौतों और हवाई क्षेत्रों को निलंबित करने की घोषणा की।

दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है

आज के दौर में भारत-दक्षिण कोरिया रिलेशन्स

-डॉ. प्रियंका सौरभ

एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए। भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं।

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध आज के वैश्विक दौर में नई अहमियत प्राप्त कर रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शांति के समर्थक हैं। एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए। भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वार्ताएँ इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं। आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण कोरिया भारत के लिए एक महत्त्वपूर्ण साझेदार है। दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है, जबकि भारत विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में बढ़ा है और लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। हालांकि यह क्षमता की तुलना में अभी भी कम है। भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा भी चिंता का विषय बना हुआ है। दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिपबिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। "मेक इन इंडिया", "डिजिटल इंडिया", "स्टार्टअप इंडिया" और "ग्रीन एनर्जी" जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके

बावजूद कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी CEPA लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था। लेकिन अपेक्षित परिणाम पूरी तरह सामने नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नियामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं। भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे। आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़े बदलाव हो रहे हैं। कंपनियाँ केवल चीन पर निर्भरता कम करना चाहती हैं और नए उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। यह स्थिति भारत और दक्षिण कोरिया दोनों के लिए अवसर लेकर आई है। दक्षिण कोरियाई कंपनियाँ यदि भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र स्थापित करती हैं, तो उन्हें विशाल बाजार, सस्ती श्रमशक्ति और रणनीतिक स्थिति का लाभ मिलेगा। वहीं भारत को तकनीक, रोजगार और निर्यात क्षमता में वृद्धि प्राप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बैटरी निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन और जहाज निर्माण ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग तेजी से बढ़ सकता है। रणनीतिक दृष्टि से भी दोनों देशों का सहयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करता है। दक्षिण कोरिया भी क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा का समर्थक है। चीन की आक्रामक नीतियाँ, समुद्री मार्गों पर दबाव और क्षेत्रीय तनाव ने कई देशों को नए साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। भारत और दक्षिण कोरिया इस संदर्भ में स्वाभाविक सहयोगी बन सकते हैं। हालाँकि दक्षिण कोरिया की सुरक्षा प्राथमिकताएँ कुछ अलग हैं। उसका प्रमुख ध्यान उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन पर केंद्रित रहता है। दूसरी ओर भारत की चिंताएँ चीन, हिंद महासागर, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी हैं। फिर भी दोनों देशों के हित कई क्षेत्रों में समान हैं। रक्षा उद्योग सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री निगरानी, आतंकवाद विरोधी प्रयास और नई सैन्य तकनीकों में संयुक्त कार्य किया जा सकता है। रक्षा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उसके पास आधुनिक रक्षा उत्पादन क्षमता है। भारत यदि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और अनुसंधान सहयोग पर जोर दे, तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकती हैं। तकनीक आज अंतरराष्ट्रीय संबंधों का सबसे महत्त्वपूर्ण आधार बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5G, 6G, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डिजिटल नवाचार भविष्य की अर्थव्यवस्था तय करेंगे। दक्षिण कोरिया इन क्षेत्रों में अग्रणी देशों में शामिल है, जबकि भारत डिजिटल प्रतिभा, सॉफ्टवेयर क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के कारण तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि दोनों देश "डिजिटल ब्रिज" बनाकर साथ काम करें, तो एशिया में तकनीकी नेतृत्व का नया मॉडल सामने आ सकता है। शिक्षा और मानव संसाधन सहयोग भी संबंधों को मजबूत कर सकता है। भारतीय छात्र दक्षिण कोरिया में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं कोरियाई छात्र भारत की संस्कृति, इतिहास, योग, आयुर्वेद, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी, छात्रवृत्तियाँ और संयुक्त शोध कार्यक्रम भविष्य में मजबूत आधार बन सकते हैं। सांस्कृतिक स्तर पर दोनों देशों के बीच लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। भारत में कोरियाई संगीत, फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। वहीं दक्षिण कोरिया में भारतीय योग, भोजन, नृत्य और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति रुचि देखी जा रही है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों के बीच विश्वास और समझ को बढ़ाने का माध्यम है। पर्यटन, सांस्कृतिक उत्सव, भाषा शिक्षा और मीडिया सहयोग से यह रिश्ता और गहरा हो सकता है। भविष्य की दृष्टि से भारत और दक्षिण कोरिया को केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। व्यापार लक्ष्य स्पष्ट हों, निवेश प्रक्रियाएँ सरल हों, नई तकनीकों पर संयुक्त मिशन बनें, रक्षा उद्योग सहयोग बढ़े और युवाओं के बीच सीधा संपर्क मजबूत किया जाए। 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर से अधिक ले जाने का लक्ष्य व्यावहारिक रूप से संभव है, यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और नीतिगत स्पष्टता दिखाई जाए। भारत के लिए दक्षिण कोरिया केवल एक व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि तकनीकी और रणनीतिक सहयोगी है। वहीं दक्षिण कोरिया के लिए भारत एक विशाल बाजार, विश्वसनीय लोकतांत्रिक मित्र और भविष्य की आर्थिक शक्ति है। बदलती विश्व व्यवस्था में ऐसे साझेदारों का महत्व और बढ़ जाता है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि भारत-दक्षिण कोरिया संबंध आज के दौर में नई संभावनाओं के मोड़ पर खड़े हैं। यदि दोनों देश व्यावहारिक सहयोग, पारस्परिक विश्वास और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ते हैं, तो यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि एशिया और विश्व में स्थिरता, समृद्धि और संतुलन की नई मिसाल बन सकती है।

देश | दुनीया से

वैश्विक धरोहर बनती प्राचीन भारतीय पांडुलिपियां

दुनिया ने मान लिया है कि ऋग्वेद के सूत्त और मंत्र सबसे प्राचीन मौखिक और भोजपत्रों पर लिखित आख्यान हैं। तथापि 'भृगुसंहिता' भी एक प्राचीन पांडुलिपि है, जिसकी मूल प्रति होशियारपुर में आज भी सुरक्षित है। महाभारत में भगवान श्रीवृष्ण के उपदेश पर आधारित श्रीमद्भगवद्गीता और भारत की ललित कलाओं का मूल ग्रन्थ मने जाने वाले भरत मुनि द्वारा रचित नाटाशास्त्र को यूनेस्को ने अपने स्मृतिकोश विश्व पंजीयन अभिलेख में शामिल किया है। यह कदम विश्व धरोहर दिवस 21 अप्रैल को उठाया गया है। यह पहल हमारे सनातन शाश्वत ज्ञान और समृद्ध विज्ञान सम्मत संस्वृति को वैश्विक मान्यता देती है। इन दोनों ग्रंथों में मानवता का संदेश देने के साथ जीवन को बेहतर बनाने के मार्ग दिखाए गए हैं। गीता दुनिया का एकमात्र ऐसा ग्रंथ है,जिसके सांस्वृतिक ज्ञान में विश्व कल्याण और सम्पूर्ण जीव-जगत की रक्षा की कामना की गई है। अतएव इन प्राचीन पांडुलिपियों को न केवल सहेजने की जरूरत है,बल्कि इनमें उल्लेखित ज्ञान विज्ञान को खंगालने की भी जरूरत है। भारत में प्राचीन पांडुलिपियां कितनी हैं, इनका सुसंगत अनुमान कठिन है। अनेक पांडुलिपि संग्रह व संरक्षण संस्थान ज्ञान-विज्ञान की पांडुलिपियों में भरे पड़े हैं। वुरुक्षेत्र विष्वविद्यालय के संस्वृत विभाग के निदेषक डॉ सुरेंद्रमोहन मिश्र कहते हैं कि लगभग डेढ़ करोड़ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं। राज्यसभा सांसद राकेष सिन्हा द्वारा संसद में पूछे गए एक प्रष्न के उत्तर में कहा गया था कि ब्रिटेन के संग्रहालय में मुख्य रूप से चार लाख पांडुलिपियां आज भी सुरक्षित हैं। यद्धपि वहां से अब तक 50 हजार पांडुलिपियां मंगाई जा चुकी हैं। इन पांडुलिपियों में खगोल गणित, ज्योतिश, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, रसायन, धातु विज्ञान, खेती-किसानी, अस्त्र-षस्त्र और आवागमन के साधनों से लेकर ईंधन की खोज और मानव मनोविज्ञान तक के धरातल की पड़ताल की गई है। पांडुलिपियों में सामाजिक जीवन के विविध पहलू संरक्षित हैं। प्राचीन भारतीय पांडुलिपियां कितनी महत्वपूर्ण हैं, इस सिलसिले में एक प्रसंग यहां उद्घाटित है। संस्वृत के भोपाल के बड़े विद्वान और संस्वृत विष्वविद्यालय दिल्ली के वुलपति रहे डॉ राधावल्लभ त्रिपाठी को लंदन की इंडिया हाउस लायब्रेरी में उपलब्ध सुंदरकवि द्वारा रचित 'नाटा-प्रदीप' पांडुलिपि की आवष्यकता थी। उत्त पुस्तकालय में उपलब्ध सूची की पुस्तकों में इस पांडुलिपि का नाम अंकित है। त्रिपाठी जी के मित्र पाठक जी लंदन जाते-आते रहते थे। अतएव उन्होंने पांडुलिपि के लाने का दायित्व पाठक जी को सौंप दिया। पाठक जी ने लंदन से लौट आने पर त्रिपाठी जी को नाटा प्रदीप ग्रंथ की पांडुलिपि एक गोल डिब्बी में दी। त्रिपाठी जी अचंभित हुए तब पाठक जी ने बताया कि इस डिब्बी में एक माक्षो चिप है। इसे माक्षो फिल्म रीडर के माध्यम से वंप्युटर पर खोलकर प्रिंट आउट निकल आएंगे। भोपाल में तो यह काम संभव नहीं हुआ, तब उन्होंने दिल्ली के राष्ट्रीय कला वेंद्र में जाकर प्रिंट निकलवाए। चार-पांच सौ पृष्ठ की नागरी लिपि में हस्तलिखित पांडुलिपि उनके हाथों में थी। उन्हें संदेह हुआ कि नाटा-प्रदीप तो इतने पृष्ठों की नहीं है, फिर यह क्या ? परंतु भोपाल आने पर जब उन्होंने पांडुलिपि पढ़ना आरंभ की तो उनका संदेह सच निकला। वह नाटा-प्रदीप की पांडुलिपि नहीं थी। हालांकि पांडुलिपि के प्रथम पृष्ठ पर शीर्षक व अन्य जानकारियां सूची के अनुरूप ही थीं। दरअसल वह महाकवि दंडी के 'दशवुमारचरित' के तीसरे खंड की अधूरी प्रति थी। त्रिपाठी जी ने इसे ऊंचे पेड़ पर लगा एक फल माना और अध्ययन-मनन में लग गए। अंत में त्रिपाठी जी ने पूरी पांडुलिपि पढ़ने के बाद निष्कर्ष निकाला कि यह पांडुलिपि उज्जैन के राजा विमादित्य की कथा है। कालांतर में उन्होंने इस विमादित्य कथा का गद्दानुवाद करते हुए उपन्यास का रूप दिया। इस उपन्यास को भारतीय ज्ञानपीठ ने छापा है। उपन्यास में खगोलीय घटनाओं और विाम संवत के प्रारंभ होने के विज्ञान सम्मत, आख्यान तो हैं ही, विमादित्य के इतिहास नायक होने के तथ्य भी हैं। सच्चाई यह है कि इस औपन्यासिक कथा में ईसा के पहले की शताब्दी के भारत की एक व्यापक प्रस्तुति है। इस पांडुलिपि का प्राप्ती रोचक गाथा उपन्यास की भूमिका में दी है। पांडुलिपि के उपन्यास के रूप में प्रकाशन से यह स्पश्ट होता है कि पुरातन ग्रंथों में इतिहास, भूगोल, युद्ध, विज्ञान, समयमान के चित्रण तो हैं ही, भारतीय इतिहास-नायकों की गाथाएं भी हैं। यही संयुत्त वर्णन कहानियों-किस्सों के रूप में किसी राष्ट्र के विकसित श्रेष्ठतम रूप को सामने लाते हैं। पांडुलिपियों के रूप में सुरक्षित ग्रंथों के शोध और संग्रह निरंतर होते रहे हैं। 1803 में इन ग्रंथों का सूची-पत्र तैयार करने की पहली शुरुआत एशियाटिक सोसायटी ने की थी। इस सोसायटी के चौथे अध्यक्ष एचटी कोलब्रुक ने सूची-पत्र तैयार करने के लिए प्रति वर्ष 5-6 रुपए का अतिरित्त अनुदान का प्रबंध भी कराया। इसी ाम में गवर्नर एलफिस्टन ने जब संस्वृत ग्रंथों का अनुसंधान कराया, तब ज्ञात हुआ कि 1840 में जितने ग्रंथ भारत में पाए गए, उनकी संख्या ग्रीक और लेटिन भाषा के समस्त पामि और कतिपय एशियाई ग्रंथों से कहीं ज्यादा थी। इसके पूर्व 1830 में प्रेडरिक ने 350 संस्वृत ग्रंथों की सूची बनाई थी। 1859 में बेल के शोधानुसार इन ग्रंथों की संख्या 1300 हो गई। कालांतर में 1891 आते-आते शियोगेर अलप्रेस्ट ने जो सूची-पत्र बनाया, उसमें इन संस्वृत पांडुलिपियों की संख्या 32 हजार से ऊपर निकल गई। तदुपरांत भारतीय विद्वान हरप्रसाद शास्त्री ने 40 हजार पांडुलिपियों और 1916 में राहुल सांवृत्यायन ने 50 हजार ग्रंथों की खोज कर सूची-पत्र बना लिया। इन सूची-पत्रों की तैयारी के बाद पांडुलिपि शास्त्र के जर्मन ज्ञाता शिलगल ने इन ग्रंथों का विषयवार वगाकरण किया। इसी वगावृत अध्ययन से ज्ञात हुआ कि ये ग्रंथ केवल एक विषय , एक धर्म या अध्यात्म मात्र पर वेंद्रित नहीं हैं, अपितु इस वगाकरण से ग्रंथों के प्रकार और उनमें अंतर्निहित दर्शन का प्रादुर्भाव हुआ, जिसे तेरह वर्गो में विभाजित किया गया। वैदिक साहित्य अर्थात चार वेद, वेदांग अर्थात शिक्षा, कल्प, निरूत्त, व्याकरण, ज्योतिष और छंद। वेदांगों से आगे पुराण, इतिहास, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और काव्यशास्त्र लिखे गए। उपनिषदों के माध्यम से अध्यात्म खगोल और नैतिकता के दर्शन की स्थापना हुई। इसी ाम में जैन और बौद्ध दर्शन से लेकर, चार्वाक दर्शन तक सामने आए। इनमें प्रवृति से लेकर मानव वृत्तियों के उल्लेखों के मनोवैज्ञानिक दृष्टान्त हैं, परंतु आडंबरों पर प्रहार है। 1981 में भारत की प्राचीनतम बख्शाली पांडुलिपि को प्राचीनतम गणित की पांडुलिपि माना गया है। यह पांडुलिपि खैबर पख्तूनख्वा, पेशावर (पाकिस्तान) के एक किसान को मिली थी। भोजपत्रों पर यह संस्वृत में लिखी गई है। इसके केवल सत्तर पृष्ठ मिले हैं, शेष नष्ट हो गए। इसे नौवीं शताब्दी का लिखा माना जाता है। परंतु जब इसकी लिखावट की ऑक्सफोर्ड विष्वविद्यालय और बोडालियन पुस्तकालय के शोधकत्ताओं ने रेडियो कार्बन डेटिंग से परीक्षण किया तो इसे तीसरी-चौथी शताब्दी का होना पाया गया।

कुछ | अलग

उठ जा वरना भाग जाएगा भाग्य

भारतीय घरों में अक्सर दादी-नानी सुबह जल्दी उठने, खासकर ब्रह्म मुहूर्त में जागने की सलाह देती हैं। ब्रह्म मुहूर्त में उठना सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि सेहत के लिहाज से भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। आयुर्वेद ही नहीं बल्कि विज्ञान में भी इस समय को शरीर और मन के लिए अच्छा माना जाता है। चलिए आपको बताते हैं कि ब्रह्म मुहूर्त में उठना क्यों फायदेमंद होता है... ब्रह्म मुहूर्त का समय सूर्योदय से लगभग 1.5 घंटे पहले का माना जाता है, जो आमतौर पर सुबह 4 बजे से 5:30 बजे के बीच होता है। इस समय को दिन का सबसे शुद्ध, शांत और ऊर्जा से भरपूर समय माना जाता है। पुराने समय में ऋषि-मुनि ध्यान और साधना के लिए इसी समय को चुनते थे क्योंकि इस दौरान वातावरण बेहद शांत होता है। आज के समय में भी अगर आप इस वक्त उठकर ध्यान, योग या प्रार्थना करते हैं, तो मानसिक तनाव कम होता है और दिनभर के लिए सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। आयुर्वेद के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त के दौरान वातावरण में ऑक्सीजन की मात्रा अधिक होती है, जो फेफड़ों और दिमाग के लिए लाभकारी है। सुबह की ताजी हवा शरीर को अंदर से शुद्ध करने का काम करती है। इसके अलावा, इस समय उठने से पाचन तंत्र भी बेहतर रहता है और शरीर का मेटाबॉलिज्म संतुलित होता है। भारतीय संस्कृति में ब्रह्म मुहूर्त को ईश्वर से जुड़ने का सबसे अच्छा समय माना गया है। इस समय किया गया जप, ध्यान या पूजा अधिक फलदायी मानी जाती है। माना जाता है कि इस समय सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह अधिक होता है, जिससे व्यक्ति का मन और आत्मा दोनों शुद्ध होते हैं।

आप का | नजरीया

जीवनशैली के रोग

निस्संदेह राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की वह रिपोर्ट राष्ट्रीय चिंता बढ़ाने वाली है कि देश की पचास फीसदी आबादी जीवनशैली से जुड़े रोगों से ग्रस्त-त्रस्त है। यह भी फिक्र बढ़ाने वाला है कि एक दशक पहले देश में खान-पान, जीवन व्यवहार व तनाव से उपजे रोगों का प्रतिशत जहां 31 था, वो अब पचास फीसदी तक जा पहुंचा है। वहीं एक अच्छी बात यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार व नये शोध अनुसंधान के चलते संक्रामक रोगों का प्रतिशत घटा है। लेकिन हमारे खानपान व जीवन व्यवहार में तेजी से आ रहे बदलावों के चलते लोग मोटापे, मधुमेह, तनाव व उच्च रक्तचाप जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं, जिसके चलते जानलेवा संकट भी बढ़ रहा है। हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे-धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है। यही वजह है कि देश में स्वास्थ्य बीमा कारोबार में तेजी आई है, यह तेजी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। लेकिन ये बीमा कंपनियां रोग से बचाव में मदद करने के बजाय व्यक्ति के रोगों के इलाज को प्राथमिकता देती हैं। हालांकि, देश में जीवनशैली से जुड़े रोगों से बचाव के लिये जागरूकता जरूर आई है। जिसके लिये राजग सरकार को श्रेय देना होगा। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग का दुनिया में व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। यह जागरूकता भारत में भी है। लेकिन बड़ी आबादी अब भी इससे दूर है। प्रधानमंत्री 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम व अन्य मंचों से मोटापे से बचाव और खानपान में मिलेट अपनाने पर अक्सर बल देते नजर आते हैं। लेकिन इस पर सकारात्मक प्रतिसाद अपेक्षित अनुपात में नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि लोगों को महंगा इलाज कराने को बाध्य होना पड़ता है। विडंबना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसे रोगों से राहत के लिये डॉक्टर जीवनभर दवा खाने को कहते हैं। तमाम लोग निजी अस्पतालों में हृदयरोग आदि के महंगे इलाज से गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के सबक हमें याद रखने चाहिए, जब लोगों ने जेवर, जमीन व मकान तक गिरवी रखकर अपना उपचार कराया। लेकिन यदि लोग शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं, योग, ध्यान और व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाएं तो इन रोगों से बच सकते हैं। विडंबना यह है कि हमने परंपरागत भारतीय खाद्य पदार्थों की अनदेखी करके पश्चिमी व चीनी खाद्य विकल्पों को चुनना शुरू कर दिया है। जो हमारी जलवायु व शारीरिक प्रकृति के अनुरूप नहीं हैं। जंक फूड में रासायनिक पदार्थ नुकसानदायक हैं वहीं तले-भुने खाने ने मोटापे को बढ़ाया है। फिर हम शारीरिक श्रम करने से बचते हैं और आरामतलबी का जीवन जीते हैं। जिसके फलस्वरूप बढ़ा मोटापा कई रोगों का वाहक बन जाता है। देर रात तक मोबाइल व इंटरनेट पर सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से हमारी नींद में खलल पड़ा है। नींद पूरी न होने से तनाव व अवसाद बढ़ा है। हमारा देर से भोजन करना, देर से सोना और सुबह देर से उठना भी रोगों का कारक बना है। हमने जबसे खाने में पारंपरिक पौष्टिकता के बजाय स्वाद को प्राथमिकता देनी शुरू की है, तभी से शरीर में जरूरी विटामिनों की कमी बढ़ी है। प्रदूषित खान-पान की भी इस संकट में भूमिका है।

हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे-धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है।

दृष्टि | कोण

'सुविधा' को 'स्वच्छंदता' बनने से रोकने की पहल

बदलते दौर ने दवाओं की उपलब्धता को 'जरूरत' से 'सुविधा' में बदल दिया है। सामाजिक भरोसा अब स्मार्टफोन की एक 'क्लिक' में सिमट गया है। डिजिटल इंडिया की इस सुनहरी तस्वीर में दवाएं महज आधे घंटे में आपके दरवाजे पर पहुंच रही हैं। लेकिन कानून की कसौटी पर सवाल यह है कि क्या दवाओं की होम-डिलीवरी को पिज्जा ऑर्डर करने जितना ही सरल मान लेना चाहिए? 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' की जटिल कड़ियां और 'शेड्यूल-एच' दवाओं के जोखिम संकेत देते हैं कि ई-फार्मेसी की यह डगर जितनी चिकनी दिखती है, कानूनी और चिकित्सकीय सुरक्षा के लिहाज से उतनी ही पथरीली है। ई-फार्मेसी कंपनियों का तर्क है कि वे तकनीक के जरिए दवाओं की उपलब्धता आसान बना रही हैं। वहीं, केमिस्ट का कहना है कि यह केवल व्यापार नहीं, बल्कि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ है। असली संकट तब शुरू होता है जब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर बिना किसी वैध पर्चे के या पुराने, धुंधले पर्चों के आधार पर दवाएं बेची जाने लगती हैं। एक आम आदमी के लिए यह केवल 'सुविधा' है, लेकिन कानून की किताब में यह 'अपराध' की श्रेणी में आता है। जब आप बिना डॉक्टर की सलाह के खुद अपना डॉक्टर बनकर दवाएं मंगवाते हैं, तो आप अनजाने में एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस रहे होते हैं, जहां से निकलना मुश्किल है। भारत में औषधियों का व्यापार 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' के अधीन है। चूंकि यह कानून इंटरनेट युग से पूर्व का है, इसलिए ई-फार्मेसी फिलहाल एक 'ग्रे एरिया' में सक्रिय हैं। कानून की स्पष्ट मर्यादा है कि 'शेड्यूल एच' और 'एच-1' श्रेणी की दवाएं बिना पंजीकृत डॉक्टर के वैध पर्चे के नहीं बेची जा सकतीं; ऐसा करना सीधे तौर पर विधिक उल्लंघन है। इस विसंगति को दूर करने के लिए सरकार ने नए नियमों का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पास पंजीकरण अनिवार्य होगा। इन प्रावधानों का उद्देश्य जन-स्वास्थ्य की सुरक्षा को तकनीक के माध्यम से सुदृढ़ करना है। इस डिजिटल खेल का सबसे भयावह पहलू नशीली दवाओं और एंटीबायोटिक्स का अंधाधुंध दुरुपयोग है। अनिद्रा या तनाव से राहत पाने के लिए बिना डॉक्टरी परामर्श के मंगवाई गई नींद की गोलियां न केवल घातक 'लत' पैदा करती हैं, बल्कि विशेषज्ञ की निगरानी के अभाव में मानसिक संतुलन को भी पूरी तरह बिगाड़ सकती हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसी प्रतिबंधित दवाओं का अवैध व्यापार आपको गंभीर कानूनी पचड़ों और जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा सकता है। वहीं, बिना पर्चे के एंटीबायोटिक्स का सेवन 'एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस' को जन्म दे रहा है, जिससे भविष्य में सामान्य संक्रमणों पर भी दवाएं बेअसर हो जाएंगी। पारंपरिक स्टोर एक 'मानवीय स्पर्श' और तत्काल जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं, जहां फार्मासिस्ट पर्चे की भौतिक जांच कर उसके दुरुपयोग को रोकता है और मरीज को दवाओं के 'साइड इफेक्ट्स' के प्रति सचेत कर एक व्यक्तिगत विश्वास की कड़ी बनाता है। इसके विपरीत, ई-फार्मेसी की दुनिया एल्गोरिदम पर टिकी है, जहां 'सुविधा' के साथ 'जोखिम' भी गहरे हैं। यहां सबसे बड़ी चिंता 'कोल्ड चेन मेंटेनेंस' (दवाओं के रखरखाव का तापमान) को लेकर है। यदि इंसुलिन जैसी जीवन-रक्षक दवाएं गोदाम से ग्राहक तक पहुंचने के दौरान निर्धारित तापमान पर न रखी जाएं, तो वे बेअसर होकर जानलेवा साबित हो सकती हैं। सुरक्षा की पहली शर्त यह है कि उपभोक्ता केवल उन्हीं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करें जो सरकार द्वारा पंजीकृत हों।

प्रदेश में संगठित श्रमिकों के लिए राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का होगा गठन : नायब सिंह सैनी

श्रमिक देश की अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत स्तंभ

गुरुग्राम (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने भारतीय मजदूर संघ द्वारा ऑटो चालकों एवं ड्राइवरों के लिए श्रम कल्याण बोर्ड के गठन की मांग पर घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार संगठित श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का गठन करेगी। इस बोर्ड के माध्यम से ऑटो चालक एवं ड्राइवरों को भी सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सेवा सुरक्षा नियम लागू करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है, जिसके तहत कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र जारी करने की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि 15 जून तक इस प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए सभी पात्र कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में राज्य स्तरीय श्रमिक जागरुकता एवं सम्मान समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सेवा सुरक्षा नियम लागू करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है, जिसके तहत कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र जारी करने की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि 15 जून तक इस प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए सभी पात्र कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसकी प्राप्ति में श्रमिक वर्ग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूती श्रमिकों की मेहनत पर आधारित है। इसी के बल पर भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने गत आठ अप्रैल को कोड ऑन वेजिज के प्रावधानों के तहत न्यूनतम बेसिक वेतन में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी लागू की है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि आज प्रदेश विकास के मामले में नई बुलंदियों को छू रहा है और इसका श्रेय मेहनतकश श्रमिकों को जाता है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के परिश्रम के बल पर ही हरियाणा देश के सबसे तेजी से प्रगति करने वाले राज्यों में शामिल हुआ है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर श्रमिक कल्याण हेतु चलाई जा रही 29 योजनाओं के अंतर्गत 34 हजार 197 लाभार्थियों के खातों में डीबीटी के माध्यम से 40 करोड़ रुपए की राशि भी ट्रांसफर की, जिससे श्रमिकों के जीवन स्तर को और सुदृढ़ किया जा सके। भूमि, श्रम, पूंजी और उद्यमिता पर आधारित होती है अर्थव्यवस्था मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था चार प्रमुख स्तंभों-भूमि, श्रम, पूंजी और उद्यमिता पर आधारित होती है। इनमें से श्रम सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, क्योंकि श्रमिकों की मेहनत ही विकास की गति को आगे बढ़ाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने ऐसी व्यवस्था विकसित की है, जिससे सभी श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी और पारदर्शिता के साथ मिल सके, इसके लिए नई तकनीक का सहारा लिया गया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार द्वारा ई-श्रम पोर्टल की शुरुआत की गई। इस पोर्टल पर देश के असंगठित क्षेत्र के सभी श्रमिकों का पंजीकरण किया जा रहा है।

एचसीएस परीक्षा के बायोमेट्रिक जांच में पकड़ा गया फर्जी अभ्यर्थी

फरीदाबाद (हिंस)। एचसीएस प्रारंभिक परीक्षा में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। फरीदाबाद के सेक्टर 7सी स्थित परीक्षा केंद्र पर बायोमेट्रिक जांच के दौरान एक युवक को दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते पकड़ा गया। पुलिस ने फर्जी परीक्षार्थी और असली अभ्यर्थी दोनों को हिरासत में ले लिया है। जिला प्रशासन के अनुसार, शहर में एचसीएस प्रारंभिक परीक्षा के सुबह के पहले सत्र में केएल महता दयानन्द पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर 7सी में बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान यह युवक पकड़ा गया। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि पकड़े गए युवक का नाम विशाल कुमार है, जो किसी अन्य अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देने पहुंचा था। असली अभ्यर्थी भी परीक्षा केंद्र के आसपास मौजूद था। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर लिया है। डीसी आयुष सिन्हा ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गडबड़ी नही होने दी जायेगी। पुलिस पुरे मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि शहर में इस परीक्षा के लिए 80 सेंटर बनाए गए हैं। इन पर 22 हजार 776 अभ्यर्थी परीक्षा दे रहे है। हर सेंटर पर सीसीटीवी कैमरे, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन सिस्टम और जैमर की लगाया गया है। सेंटर के 200 मीटर के दायरे में धारा 163 लागू की गई है।

गैंगस्टर गोदारा गैंग से जुड़े आरोपी चढ़े एजीटीएफ के हत्थे

जयपुर (हिंस)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) जयपुर ने संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करधनी इलाके से दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में सुजानगढ़ फायरिंग मामले में वांछित कृष्ण सिंह (31) निवासी रतनगढ़ (चूरू) और कई गंभीर मामलों में फरार लक्ष्मण सिंह (34) निवासी नावां सिटी (डीडवाना-कुचामन) शामिल हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस, एजीटीएफ एवं एएनटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन और पुलिस उप अधीक्षक रविन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस जांच में सामने आया कि कृष्ण सिंह वर्ष 2023 में चूरू के सुजानगढ़ स्थित जेडीजे ज्वैलर्स शोरूम में हुई फायरिंग की घटना में शामिल था और पिछले तीन वर्षों से फरार चल रहा था। आरोपी कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा और वीरेन्द्र चारण के संपर्क में रहकर कारोबारियों को धमकाने व रंगदारी वसूली में शामिल था। वह परबतसर में हत्या के एक मामले में पहले जेल जा चुका है। वहीं दूसरा आरोपी लक्ष्मण सिंह भी आपराधिक प्रवृत्ति का है, जिसके खिलाफ हत्या के प्रयास, चेन स्नेचिंग सहित 27 मामले दर्ज हैं। वह वैशाली नगर, मकराना और नावां सिटी थाना क्षेत्रों के मामलों में न्यायालय से फरार चल रहा था। एजीटीएफ टीम दोनों आरोपियों से गिरोह के नेटवर्क और अन्य साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है, जिससे बड़े खुलासे होने की संभावना है। इस सफल ऑपरेशन का नेतृत्व प्लाटून कमांडर सोहन सिंह ने किया। टीम में हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, होशियार सिंह, प्रवीण कुमार, जुगन सिंह, महावीर सिंह तथा कांस्टेबल मोहित महला, जगदीप, जितेन्द्र और सुरेन्द्र शामिल रहे। पुलिस ने इसे संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है।

ग्राम-2026 से किसान बनेगा सशक्त और खेती होगी आधुनिक : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी गांव के विकास का आधार है। वे जरूरतमंदों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाते हैं तथा ग्रामीणों के सपनों को पूरा करने में योगदान भी देते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं को धरातल पर उतारने में ग्राम विकास अधिकारी अहम भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सुशासन से ही राजस्थान समृद्ध बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार प्रशासन का मूल मंत्र *नागरिक देवो भव* होना चाहिए। इसी कड़ी में ग्राम विकास अधिकारी आमजन की सेवा में दिन-रात समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में बड़ी संख्या में लाभार्थी जनकल्याणकारी एवं आधारभूत विकास की योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सरकारी कार्मिकों की कार्यक्षमता और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए मिशन कर्मयोगी की शुरूआत की है। इसके जरिये कार्मिक विकसित भारत-विकसित राजस्थान के सपने को पूरा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश में पानी एवं बिजली

की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न परियोजनाएं प्रारंभ की हैं। पानी की निर्बाध आपूर्ति के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम हो रहा है। वहीं, ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि कर किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ने प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देकर उद्योगों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया है। राज्य में युवाओं को सरकारी नौकरी के भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर वीबी जी राम जी, स्वच्छ भारत मिशन, स्वामित्व योजना जैसी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने डेयरी संबंधी कार्यों को प्रोत्साहन देने के साथ ही पशुपालकों के लिए अनेकों योजनाएं चलाई हैं। राजीविका के जरिये महिला सशक्तीकरण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने और खेती को आधुनिक बनाने के लिए आगामी 23 से 25 मई तक ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट का आयोजन करने जा रही है। ग्राम विकास अधिकारी इस आयोजन से जुड़ी महत्वपूर्ण गतिविधियों में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान प्रारंभ किया है, जिसमें विस्तृत रिपोर्ट बनाकर हर गांव और वार्ड के सर्वांगीण विकास का खाका तैयार किया जाएगा। उन्होंने आह्वान किया कि राजस्थान को नंबर वन स्टेट बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने ग्राम विकास अधिकारी कैडर के हित में पदोन्नतियों में व्यवधान को दूर करने के साथ ही कैडर के सुदृढ़ीकरण की दिशा में वरिष्ठ ग्राम विकास अधिकारी पद का सृजन भी किया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को समयबद्ध रूप से नियमित पदोन्नति देने एवं इसके पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए अनुभव में 2 वर्ष की छूट प्रदान की गई है। राज्य सरकार ने ग्रेच्यूटी की सीमा भी 20 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दी है। उन्होंने कहा कि बजट 2026-27 में पदोन्नति और वेतनमान से जुड़े विषयों के अध्ययन के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन का निर्णय लिया है, जो भविष्य में आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों पर भी विचार करेगी। राज्य सेवा के अधिकारियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे अधिकारी कर्मयोगी की भावना से रूल बेस्ड से रोल बेस्ड कार्यशैली की ओर अग्रसर होंगे।

संस्कृत व्याकरण विशेषज्ञ व शिक्षक ऋषभ पारेख *सिद्धहेमव्याकरण रत्न* विभूषण से सम्मानित

जयपुर (हिंस)। संस्कृत व्याकरण विशेषज्ञ व शिक्षक ऋषभ पारेख को *सिद्धहेमव्याकरण रत्न* विभूषण से सम्मानित किया गया। शिवगंज सिरोही निवासी ऋषभ पारेख का यह सम्मान शंखेश्वर जैनतीर्थ गुजरात में जैनाचार्य सिद्धहस्त लेखक विजय पूर्णचन्द्र सूरीश्वर महाराज और श्रुतरक्षा प्रेरक विजय युगचन्द्र सूरीश्वर के सानिध्य में श्रुततीर्थ के ट्रस्टी गौतमभाई सांखला और शिवगंज जैन संघ अध्यक्ष प्रवीण ने सुवर्ण मुद्रिका स्मृति चिह्न व 1 लाख रुपए देकर सम्मानित किया गया। बीकानेर के अभय जैन ग्रन्थालय निदेशक ऋषभ नाहटा ने बधाई दी। साथ ही जीरावला पार्श्वनाथ तीर्थ के महामंत्री प्रकाशजी सीरोडीवाले, नाकोडातीर्थ जैन ज्ञानशाला के प्राचार्य नरेन्द्रकोरडिया, ऐन्टी टेररीस्ट फ्रंट के चेयरमेन मनिंदरजीत सिंह बिट्टा, जयनारायण मीणा, सुविख्यात रमेशभाई ओझा, संस्कृत भारती-गुजरात, हेमचन्द्राचार्य संस्कृत पाठशाला गुरुकुलम् साबरमती के डायरेक्टर जितेन्द्र शाह, ललित नाहटा-नई दिल्ही ने स्वहस्ताक्षर सह हार्दिक शुभकामना अभिनंदन पत्र भेंट कर पारेख का सन्मान किया। इस दौरान जैनाचार्य युगचन्द्र सूरि महाराज, ज्ञानदाता मूलशंकर ने संबोधित किया। संचालन कुणाल भाई ने किया।

जयपुर में वृक्ष मित्र सम्मान समारोह में कार्यकर्ताओं को रवीना टंडन करेंगी सम्मानित

जयपुर (हिंस)। श्री कल्पतरु संस्थान के 31वें वार्षिक उत्सव के तहत 6 मई को शहर के होटल क्लार्क्स आमेर में वृक्ष मित्र सम्मान समारोह 2026 आयोजित होगा। दोपहर 2 बजे होने वाले इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री पद्मश्री रवीना टंडन सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियां पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित करेंगी। समारोह में चयनित प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र और नगद राशि प्रदान की जाएगी। संस्थान के अनुसार देशभर से करीब एक हजार पर्यावरण कार्यकर्ता इस आयोजन में भाग लेंगे। ट्री मैन ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध पर्यावरणविद् विष्णु लाम्बा ने मुंबई में रवीना टंडन को औपचारिक आमंत्रण दिया तथा उनके हाथों कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन करवाया। रवीना ने वीडियो संदेश जारी कर जयपुर आने की पुष्टि करते हुए संस्थान के कार्यों की सराहना की। संस्थान पिछले 31 वर्षों में एक करोड़ से अधिक पौधों का रोपण व संरक्षण कर चुका है। लक्ष्य है कि वर्ष 2047 तक 100 गांवों को पर्यावरणीय दृष्टि से आदर्श बनाया जाए। उल्लेखनीय है कि संस्थान बिना किसी सरकारी अनुदान के देश के 22 राज्यों और 13 देशों में सक्रिय है तथा 150 से अधिक पर्यावरणीय अभियानों का संचालन कर रहा है।

देवरिया पुलिस लाइन में 17 प्लाटूनों की पासिंग आउट परेड, 485 महिला रिक्रूट्स ने दिखाया कौशल

देवरिया (हिंस)। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले की रिजर्व पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में 485 महिला रिक्रूट कांस्टेबलों की पासिंग आउट परेड रविवार को गरिमामय और अनुशासित माहौल में संपन्न हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिलाधिकारी दिव्या मित्तल रहीं, जिन्होंने परेड की सलामी लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली रिक्रूट्स को सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने उनका स्वागत किया और परेड का निरीक्षण कराया। पासिंग आउट परेड में शामिल कुल 485 महिला रिक्रूट्स में 185 बहराइच, 123 महाराजगंज और 177 देवरिया जनपद की थीं। परेड का नेतृत्व फर्स्ट-इन-कमांड विभा तिवारी ने किया, जबकि सेकेंड-इन-कमांड शन्नो और थर्ड-इन-कमांड किरन यादव रहीं। परेड में कुल 17 प्लाटूनों ने हिस्सा लिया। सभी प्लाटूनों ने शानदार मार्च-पास्ट प्रस्तुत करते हुए अनुशासन, समर्पण और प्रशिक्षण की उच्च गुणवत्ता का प्रदर्शन किया। प्लाटून कमांडरों ने अपनी-अपनी टुकड़ियों का कुशल नेतृत्व करते हुए कार्यक्रम को आकर्षक और प्रभावशाली बनाया। कार्यक्रम की मुख्य झलकियों में सभी प्लाटूनों का सुसंगठित मार्च-पास्ट प्रमुख रहा। महिला रिक्रूट्स ने कठिन प्रशिक्षण

के बाद अपने कौशल, आत्मविश्वास और टीम भावना का बेहतरीन प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने प्रशिक्षण की सराहना करते हुए रिक्रूट्स को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा और समाज में उनकी भूमिका को मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली रिक्रूट्स को पुरस्कृत किया गया। शारीरिक प्रशिक्षण में सविता यादव, शस्त्र प्रशिक्षण में स्वाति सिंह, भीड़ नियंत्रण में अंकिता तिवारी और सर्वांग सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए रश्मि सिंह को सम्मानित किया गया। इसके अलावा विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ललिता पाल, राधा सरोज, अस्मिता पांडेय और काजल वर्मा को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रशिक्षकों को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। आईटीआई शशिकिरण कुशवाहा और पीटीआई मुकेश कुमार को सर्वश्रेष्ठ बाह्य प्रशिक्षक तथा निरीक्षक अरविंद यादव को सर्वश्रेष्ठ अंत:विषय प्रशिक्षक का पुरस्कार दिया गया।

पंजाब सरकार ने सुरक्षा वापस ली अब हरभजन सिंह भज्जी के साथ रहेंगे सीआरपीएफ के जवान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में जाने वाले राज्य सभा सांसदों के विरूद्ध शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। रविवार को पंजाब सरकार ने क्रिकेटर एवं राज्य सभा सांसद हरभजन सिंह भज्जी को दी गई पंजाब पुलिस की सुरक्षा वापस ले ली। इसके कुछ समय बाद ही उन्हें केंद्र सरकार की तरफ से सीआरपीएफ की सुरक्षा प्रदान कर दी गई। भज्जी से पहले पंजाब सरकार ने राघव चढ्ढा की सुरक्षा भी वापस ली थी। हरभजन सिंह को पंजाब सरकार की तरफ से बतौर राज्य सभा सांसद वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई थी। उनके जालंधर स्थित घर पर तैनात पंजाब पुलिस के जवानों को तुरंत वापस बुला लिया गया है। पंजाब पुलिस की सुरक्षा वापस होने के कुछ समय बाद ही केंद्र सरकार ने भज्जी को सीआरपीएफ की सिक्योरिटी दे दी। उनके घर के बाहर ये जवान तैनात कर दिए गए हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चढ्ढा ने गत दिवस हरभजन सिंह के भी आम छोड़ने का दावा किया था। भज्जी ने अभी तक खुलकर इस बारे में कुछ नहीं बोला है। इस बीच पंजाब से राज्य सभा सांसद विक्रमजीत साहनी ने रविवार को एक चैनल से बातचीत में दावा किया कि उन्होंने कभी भी आम आदमी पार्टी को ज्वाइन नहीं किया। उन्होंने कहा कि आम सुप्रीमों अरविंद केजरीवाल ने उनसे इस्तीफा मांगा था लेकिन सलाहकारों से बातचीत के बाद उन्होंन इस्तीफा नहीं दिया। पंजाब इस समय आईसीयू में है। इसे बचाने के लिए केंद्र सरकार के सहयोग की जरूरत है। उधर चंडीगढ़ में पहुंचे आप के राज्य सभा सांसद संत बलवीर सिंह सीचेवाल ने पत्रकारो से बातचीत में कहा कि राघव चड्ढा ने आजाद ग्रुप बनाने की बात कहकर मुझे 16, 17 और 18 अप्रैल को चाय पर बुलाया था, लेकिन मैं वहां नहीं गया। मैंने उन्हें किसी तरह का आजाद ग्रुप बनाने या उसमें शामिल होने से मना कर दिया था।

आंधी तूफान और बेमौसम बारिश ने मचाई भारी तबाही

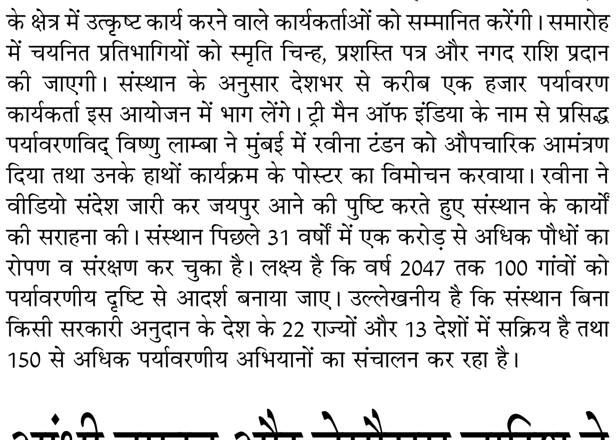

अररिया (हिंस)। अररिया के शहरी और ग्रामीण इलाकों में बीती देर रात और रविवार दोपहर तेज आंधी तूफान के साथ बेमौसम बारिश ने भारी तबाही मचाई। ग्रामीण इलाकों में तेज आंधी और तूफान के कारण दर्जनों घरों के छप्पर उजड़ गए और छत का टिन कई मीटर दूर जा गिरा। तेज हवाओं के कारण लोगों का घर पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए हैं, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है। तेज हवा और मेघ गर्जन के साथ बारिश के कारण कई स्थानों पर जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। वहीं सड़कों पर कीचड़ पसर जाने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बेमौसम बारिश के कारण किसानों को किसानी में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। खासकर सब्जी उत्पादन करने वाले किसानों को। बेमौसम बारिश के कारण खेत में लगे मूंग, तिल, मूंगफली, भिंडी, लौकी, करेला, तोरई, खीरा जैसी सब्जी के फसल को काफी नुकसान हुआ। वहीं घरों के छप्पर उजड़ जाने के कारण खुले आसमान के नीचे लोग रहने को विवश हैं। बेलई पोठिया के किसान प्रो. कृष्णानंद ठाकुर का कहना है कि इस साल आम का फसल वैसे भी अन्य वर्षों की तुलना में कम पैदावार था, लेकिन तेज आंधी और तूफान के कारण पेड़ में लगे आम गिर गए हैं। जिसके कारण आम के उत्पादक किसानों को काफी नुकसान हुआ है। इसके अलावे सब्जी उत्पादक किसानों को भी काफी क्षति हुई है। खेत में फसल बर्बाद और रहने वाले घर का छप्पर बर्बाद, किसान और मध्यम एवं निम्न वर्ग के लोगों का जीवन आंधी तूफान कहर बनकर आया है। मनीष पांडेय, राजन सिंह, रोबिन सिंह आदि ने भी बेमौसम आंधी तूफान के कारण फसल क्षति नुकसान होने की बात कही।

मुरादाबाद : दूसरे दिन 5599 परीक्षार्थियों ने छोड़ी होमगार्ड लिखित भर्ती परीक्षा

मुरादाबाद (हिंस)। मुरादाबाद जनपद में रविवार को कड़ी सुरक्षा के बीच लगातार दूसरे दिन 28 परीक्षा केंद्रों पर पहली व दूसरी पाली की होमगार्ड लिखित परीक्षा हुई। जिसमें दोनों पालियों में 5599 परीक्षार्थियों ने होमगार्ड लिखित भर्ती परीक्षा छोड़ दी। पहली पाली में 2806 और दूसरी पाली में 2793 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा 27 अप्रैल को भी संपन्न होगी। पहले दिन शनिवार को दोनों पालियों में कुल 5702 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। मुरादाबाद के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के अनुसार जनपद में होमगार्ड परीक्षा दूसरे दिन रविवार को 28 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई। जिले में आज दोनों पालियों में 24, 864 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी। जिसमें पहली पारी में 12432 परीक्षार्थी पंजीकृत थे जिसमें से 9626 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 2806 छात्राओं ने परीक्षा छोड़ दी।

भक्तिमय वातावरण में धूमधाम से मना जानकी नवमी महोत्सव

सुपौल (हिंस)। जिला मुख्यालय स्थित धतालदास राम-जानकी ठाकुरबाड़ी परिसर में दो दिवसीय मां जानकी नवमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव का आयोजन *जानकी जन्मोत्सव* आयोजन समिति एवं आध्यात्मिक सत्संग समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम के रूप में संगीतमय अखंड रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया गया, जो संध्या में हवन के साथ समाप्त हो गया। महोत्सव के दौरान दो दिवसीय रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन भी की गया। जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कई प्रतिभागियों ने अपनी कलात्मक क्षमता का प्रदर्शन कर निर्णायक मंडली को आकर्षित किया। रंगोली प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। प्रथम अनन्या आर एस एम, द्वितीय प्रदीप प्रिया सेंट जेवियर्स एवं तृतीय स्थान साक्षी कुमारी सेंट जेवियर्स स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया गया। रंगोली प्रतियोगिता के प्रभारी विनय

भगत ने अपने प्रयास से कार्यक्रम को सफल बनाया। वहीं निर्णायक के रूप में अरूण चौधरी ने अपनी निष्पक्षता से एक बेहतर निर्णायक की भूमिका अदा की। इधर दीपोत्सव प्रभारी सुजीत पाठक की अगुवाई में पूरे परिसर में हजारों दीपों को प्रज्ज्वलित किया गया। जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सबसे अधिक दीप महिला मोर्चा भाजपा की जिला उपाध्यक्ष रुबी जायसवाल द्वारा प्रज्वलित किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के बाद समूचा परिसर तेज चमचमाती हुई रोशनी से जगमगा उठा, जो देखने में काफी मनमोहक लग रहा था। कार्यक्रम को सफल बनाने में दीप जलाओ प्रतियोगिता की प्रभारी रूबी जायसवाल एवं सह प्रभारी योगमाया देवी का प्रयास काफी सराहनीय रहा। निर्णायक मंडली द्वारा दीप जलाओ प्रतियोगिता में भी प्रथम सौम्या शर्मा सेंट जेवियर्स, द्वितीय रूबी जायसवाल गृहिणी एवं तृतीय प्रतिज्ञा कुमारी सेंट जेवियर्स स्थान प्राप्त करने वाले एवं प्रतिभागियों को भी प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

जेपी मॉर्गन ने भारतीय शेयर बाजार की रेटिंग घटाई, ओवरवेट से घटाकर न्यूट्रल की

महंगे वैल्यूएशन और कमाई पर दबाव बनी मुख्य चिंता

नई दिल्ली

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेपी मॉर्गन ने भारतीय शेयर बाजार को लेकर अपना नजरिया बदलते हुए रेटिंग को ओवरवेट से घटाकर न्यूट्रल कर दिया है। यह फैसला महंगे वैल्यूएशन और आने वाले समय में कंपनियों की कमाई पर संभावित दबाव की आशंका को देखते हुए लिया गया है, जो विदेशी निवेशकों के लिए भारत को पहले जितना आकर्षक नहीं बना रहा है। जेपी मॉर्गन के अनुसार भारतीय बाजार अभी भी अन्य उभरते बाजारों जैसे ब्राजील, चीन या मैक्सिको के मुकाबले काफी प्रीमियम पर कारोबार कर रहा है। यह प्रीमियम पहले 109 फीसदी था, जो अब घटकर 65 फीसदी रह गया है, फिर भी काफी अधिक है। इसका सीधा अर्थ है कि निवेशकों को समान ग्रोथ अन्य देशों में कम कीमत पर मिल सकती है। ब्रोकरेज फर्म ने बढ़ती महंगाई और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के चलते कंपनियों की कमाई पर पड़ने वाले संभावित दबाव को भी एक बड़ी चिंता बताया है। इसी कारण एचएसबीसी जैसी अन्य बड़ी ग्लोबल संस्था भी भारत को लेकर अंडरवेट हो गई है, जिससे भारतीय बाजार पर सावधानी बरतने की सलाह और पुष्ट होती है। ब्रोकरेज का अनुमान है कि साल 2025 बाजार के लिए पहले ही कमजोर रहा है और 2026 भी चुनौतीपूर्ण दिख रहा है। हालांकि, फर्म ने निफ्टी 50 के लिए 27,000 का लक्ष्य दिया है।

डालर के मुकाबले रूपया की कमजोर स्थिति ने बिगाड़ा खेल

नई दिल्ली। 2026 में अब तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजार से कुल 1.75 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। अकेले अप्रैल के महीने में निकासी का आंकड़ा 43,967 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो काफी चिंताजनक है। हफ्ते का अंत विदेशी संस्थागत निवेशकों (विदेशी निवेशकों) की भारी बिकवाली के साथ हुआ। उन्होंने शुक्रवार को समाप्त हुए पांच सत्रों में 17,140 करोड़ रुपए के घरेलू शेयर बेच दिए। अप्रैल में अब तक विदेशी निवेश का आउटफ्लो बढ़कर 43,967 करोड़ रुपए हो गया है, जिससे 2026 में अब तक विदेशी निवेशक शेयर बाजार से 1,75,089 करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। शुक्रवार को, विदेशी निवेशकों ने 8,827.87 करोड़ रुपए के घरेलू शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक 4,700.71 करोड़ रुपये के शुद्ध खरीदार रहे। इस भारी बिकवाली के चलते घरेलू प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा नुकसान आईटी सेक्टर को हुआ, जो इंडेक्स लेवल पर 5 फीसदी से ज्यादा गिर गया। फार्मा, हेल्थ और एनर्जी सेक्टर के शेयर भी भारी नुकसान उठाने वालों में शामिल रहे। जहां 50 शेयरों वाला निफ्टी 4 275.10 अंक या 1.14 फीसदी गिरकर 23,897.95 पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स विनोद उपाध्याय / 25 अप्रैल, 2026.79 अंक या 1.29 प्रतिशत गिरकर 76,664.21 पर स्थिर हुआ।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय ऑटो सेक्टर का वैश्विक जलवा, 8 ब्रांड दुनिया के टॉप 100 में शामिल

मुंबई। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग वैश्विक मंच पर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करा रहा है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक देश के आठ ऑटो ब्रांड दुनिया के शीर्ष 100 में शामिल हो गए हैं, जो सेक्टर की बढ़ती ताकत और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उसकी बढ़ती स्वीकार्यता का प्रमाण है। यह उपलब्धि भारत को केवल लागत प्रभावी उत्पादों के बजाय मजबूत ब्रांड वैल्यू वाले उत्पादों के निर्माता के रूप में स्थापित कर रही है। इस प्रतिष्ठित सूची में महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सबसे आगे रहकर भारतीय कंपनियों की अगुवाई की। कंपनी 17 फीसदी की प्रभावशाली बढ़त के साथ 25वें स्थान पर पहुंच गई है, और इसकी ब्रांड वैल्यू बढ़कर 3.8 अरब डॉलर हो गई है। कंपनी की सफल एसयूवी रेंज, बेहतर मुनाफा और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर केंद्रित रणनीति इस शानदार वृद्धि की मुख्य वजहें रहीं। वहीं रॉयल एनफील्ड ने भी जबरदस्त छाप छोड़ी है। यह दुनिया का तीसरा सबसे मजबूत ऑटो ब्रांड बना है, जिसकी ब्रांड वैल्यू 30 फीसदी बढ़कर 1.2 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। इसके प्रीमियम मोटरसाइकिल्स की वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ती मांग ने इसे मजबूती प्रदान की है। टाटा मोटर्स और मारुति सुजुकी भी इस वैश्विक सूची में प्रमुखता से शामिल रहे। टाटा मोटर्स की ब्रांड वैल्यू 3.3 अरब डॉलर आंकी गई, जिसे इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में उसकी बढ़त का फायदा मिला। दूसरी ओर, मारुति सुजुकी ने घरेलू बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखते हुए 2.7 अरब डॉलर की ब्रांड वैल्यू हासिल की। ब्रांड फाइनेंस इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर अजिमोन फ्रांसिस ने इस प्रगति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय कंपनियां अब सिर्फ सस्ते उत्पादों के लिए नहीं जानी जातीं, बल्कि वे अपनी अलग पहचान बना रही हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी ताकत साबित कर रही हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दुनिया के 10 सबसे मजबूत ऑटोमोबाइल ब्रांड्स में अब भारत के चार ब्रांड शामिल हैं, जो ग्राहकों के बढ़ते भरोसे और भारतीय कंपनियों की मजबूत होती ब्रांड वैल्यू का स्पष्ट संकेत है।

टोयोटा इनोवा कुल 1,12,188 यूनिट्स की बिक्री के साथ शीर्ष स्थान

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 में टोयोटा इनोवा ने अपनी बिक्री से पुनः अपनी लोकप्रियता को साबित किया है। इस दौरान कार के बिक्री के यह आंकड़े भारतीय बाजार में टोयोटा के विविध पोर्टफोलियो और ग्राहकों के बीच उसकी मजबूत स्वीकार्यता को दर्शाते हैं। टोयोटा इनोवा, जिसमें इनोवा हाइक्रॉस और क्रिस्टा दोनों शामिल हैं, ने कुल 1,12,188 यूनिट्स की बिक्री के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 5 प्रतिशत की शानदार वृद्धि को दर्शाता है, जब 1,07,204 नए ग्राहकों ने इसे खरीदा था। यह बिक्री आंकड़े भारतीय बाजार में 7-सीटर सेगमेंट में इनोवा की मजबूत पकड़ और लोकप्रियता को दर्शाते हैं। इनोवा के अलावा, टोयोटा के अन्य मॉडलों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। बिक्री की इस सूची में दूसरे नंबर पर टोयोटा हाइराइडर रही, जिसने 65 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 99,890 यूनिट्स की बिक्री की। टोयोटा ग्लैंजा तीसरे नंबर पर रही, जिसकी 52,548 यूनिट्स बिकीं और इसने 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। वहीं, टोयोटा फॉर्च्यूनर ने 35,216 यूनिट्स की बिक्री के साथ चौथा स्थान हासिल किया, जिसमें 7 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी देखी गई।

खूबियों से भरपूर टीवीएस रेडर 125 का नया अवतार लांच

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय 125सीसी मोटरसाइकिल रेडर को टीवीएस मोटर ने नए डीडी वैरिएंट और नाइट्रो ग्रीन नामक एक आकर्षक रंग विकल्प के साथ लॉन्च किया है। नाइट्रो ग्रीन रंग बाइक के आगे के काउल, फेंडर, अगले पहिए, फ्यूल टैंक, साइड पैनल्स और बेली पैन पर प्रमुखता से दिखाई देता है, जिसे ग्रे स्पोर्टी ग्राफिक्स के साथ और भी डायनामिक लुक दिया गया है। रेडर 125 के टीएफटी डीडी और एसएक्ससी डीडी वैरिएंट में यह नया रंग उपलब्ध है, जो मौजूदा मेटैलिक ब्लू और स्ट्राइकिंग रेड विकल्पों को और भी आकर्षक बनाता है। आगे के पहिए पर नाइट्रो ग्रीन और पीछे के पहिए पर काले अलॉय व्हील्स का संयोजन इसे एक अनोखा स्टाइल देता है। टॉप-मॉडल टीएफटी डीडी वैरिएंट में एक बड़ा अपडेट पूरी तरह से रंगीन टीएफटी डिस्प्ले है। यह डिस्प्ले एक आधुनिक और प्रदर्शन-केंद्रित यूजर इंटरफेस प्रदान करता है, जिसमें नारंगी और काले रंगों का उपयोग जानकारी को तेज रोशनी में भी आसानी से पढ़ने योग्य बनाता है। यह हाई-टेक कॉकपिट जैसा डिस्प्ले फोन कॉल्स, टर्न बाय टर्न नेविगेशन, राइड रिपोर्ट, मैच के स्कोर और मौसम अपडेट जैसी 99 से अधिक कनेक्टेड सुविधाओं को सपोर्ट करता है।

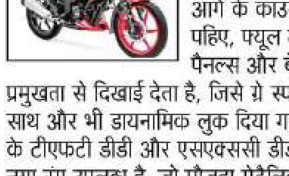

भारत में टीम कुक के बाद जॉन टर्नस संभालेंगे एप्पल की बागडोर

नई दिल्ली

भारत में दिग्गज टेक कंपनी एप्पल के सीईओ टीम कुक ने कंपनी की एक बेहद मजबूत और नई पहचान स्थापित की है। टिम कुक सितंबर में एप्पल के सीईओ का पद छोड़ने वाले है। उनके उत्तराधिकारी जॉन टर्नस से उम्मीद की जा रही है कि वे इस वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गज के सफर को भारत में और भी अधिक गति प्रदान करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि टर्नस के नेतृत्व में भारत में एप्पल की विस्तार रणनीति और तेज हो सकती है, क्योंकि यह देश अब कंपनी के लिए सिर्फ एक महत्वपूर्ण मैन्युफैक्चरिंग हब नहीं, बल्कि एक विशाल और अहम उपभोक्ता बाजार भी बन चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार, टिम कुक के कार्यकाल के दौरान भारत एप्पल के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक के रूप में उभरा है। इसमें स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना, रिटेल नेटवर्क का अभूतपूर्व विस्तार करना और एक तेजी से बढ़ते यूजर बेस का निर्माण शामिल है, जिसने एप्पल की वैश्विक रणनीति में भारत की स्थिति को केंद्रीय बना दिया है। उनका कहना है कि आने वाले समय में भी भारत एक बड़े उत्पादन केंद्र और एक तेजी से विकसित होते उपभोक्ता बाजार के रूप में एप्पल के लिए दोहरी भूमिका निभाएगा, जो कंपनी के वैश्विक विस्तार के अगले चरण को परिभाषित करने में निर्णायक साबित होगा।

काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक ने इस विषय पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि टिम कुक ने भारत की अंतर्निहित क्षमता को पहचानने और उसे एप्पल की दीर्घकालिक रणनीति के बिल्कुल केंद्र में लाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि कुक ने न सिर्फ भारत में स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग और रिटेल उपस्थिति को बढ़ावा दिया, बल्कि भारतीय डेवलपर्स और यूजर्स के साथ भी मजबूत जुड़ाव स्थापित किया, जिससे स्थानीय बाजार में एप्पल की पकड़ बेमिसाल रूप से मजबूत हुई। पाठक ने आगे कहा कि जॉन टर्नस को अब इस मजबूत नींव पर आगे काम करना होगा, खासकर भारत की लंबी अवधि की विकास संभावनाओं को देखते हुए। उनका इंजीनियरिंग बैकग्राउंड और नेतृत्व शैली भारत के युवा और महत्वाकांक्षी यूजर्स को विशेष रूप से पसंद आ सकती है, जिससे ब्रांड को और अधिक मजबूती मिलेगी। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के वाइस प्रेसिडेंट प्रभु राम ने भी इस बात पर जोर दिया कि भारत अब एप्पल की वैश्विक सप्लाई चेन रणनीति में एक अपरिहार्य भूमिका निभा रहा है। उन्होंने खुलासा किया कि एप्पल अब अपने लगभग एक-चौथाई आईफोन भारत में असेंबल करता है, जिससे भविष्य में कंपनी की वृद्धि में भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाएगी, ठीक वैसे ही जैसे अतीत में चीन की रही थी। राम ने कुक के कार्यकाल की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी मजबूत कार्यशैली और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता बेजोड़ रही है। उन्होंने विशेष रूप से चीन पर निर्भरता कम करने और भारत व वियतनाम जैसे देशों में मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार करने पर रणनीतिक रूप से ध्यान केंद्रित किया। 2011 से एप्पल का नेतृत्व कर रहे टिम कुक ने पद छोड़ने की घोषणा करते हुए कहा था, एप्पल का सीईओ होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, कुक के कार्यकाल में एप्पल का मार्केट कैप करीब 350 अरब डॉलर से बढ़कर लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर हो गया, जबकि कंपनी की सालाना आय लगभग चार गुना बढ़कर 416 अरब डॉलर से भी अधिक हो गई।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का मुनाफा बढ़कर 300 करोड़ के पार

बैंक की ब्याज आय में 15.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई

मुंबई

प्राइवेट सेक्टर के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं, जिसमें बैंक ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। इस तिमाही में बैंक का मुनाफा 4.9 फीसदी बढ़कर 319 करोड़ हो गया। बैंक ने यह भी बताया कि कुछ विशिष्ट (एकमुश्त) घटनाओं को छोड़कर, उसकी वास्तविक या सामान्यीकृत शुद्ध आय 746 करोड़ के करीब रही, जो बैंक की मजबूत अंतर्निहित वित्तीय स्थिति को दर्शाती है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के लिए चौथी तिमाही का मुख्य आकर्षण उसकी मजबूत परिचालन आय और बेहतर संपत्ति गुणवत्ता रही।

बैंक की शुद्ध ब्याज आय में 15.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 4,907 करोड़ रुपए से बढ़कर 5,677 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। यह दर्शाता है कि बैंक ने कर्ज देने और उससे ब्याज कमाने में शानदार प्रदर्शन किया है। हालांकि, नेट इंटरेस्ट मार्जिन मामूली गिरावट के साथ 5.95 फीसदी से 5.93 फीसदी रहा, जिसे लगभग स्थिर माना जा सकता है।

बैंक की संपत्ति गुणवत्ता में भी सराहनीय सुधार हुआ है। सकल गैर-निष्पादित आस्तियां 1.69 फीसदी से घटकर 1.61 फीसदी रह गईं, जबकि शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियां 0.53 फीसदी से कम होकर 0.48 फीसदी पर आ गईं। फंसे कर्ज में कमी और भविष्य के घाटे के लिए किए जाने वाले प्रावधान में भारी कटौती ने भी बैंक के मुनाफे को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। इसके अतिरिक्त, बैंक को 130 करोड़ का टैक्स रिफंड भी मिला, जिसने बैंक की बैलेंस शीट को और मजबूती प्रदान की। यह तिमाही बैंक के लिए व्यापक तौर पर सकारात्मक संकेत लेकर आई है।

एलपीजी सिलेंडर संकट गहराया: देशभर में डिलीवरी में भारी देरी

नई दिल्ली। देशभर में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत और डिलीवरी में देरी ने उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित कई राज्यों में लोग समय पर गैस न मिलने से परेशान हैं, जबकि बुकिंग नियमों की अस्पष्टता और शादी के सीजन की बढ़ती मांग ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। सरकार की कोशिशों के बावजूद सोशल मीडिया पर भी उपभोक्ताओं की नाराजगी साफ दिख रही है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में सिलेंडर बुकिंग के लिए 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की समय-सीमा तय की है। हालांकि, गैस कंपनियां अगली बुकिंग की तारीख को सप्लाई की तारीख से जोड़ रही हैं, जिससे उपभोक्ताओं को 7-10 दिन का अतिरिक्त इंतजार करना पड़ रहा है। इस प्रक्रिया ने डिलीवरी को और धीमा कर दिया है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली, बस्ती, कानपुर और प्रयागराज जैसे जिलों में सिलेंडर की भारी किल्लत और डिलीवरी में देरी की शिकायतें आम हैं। शादी के सीजन के कारण कामर्शियल सिलेंडरों की मांग तेजी से बढ़ी है, लेकिन आपूर्ति सीमित है।

सप्ताहभर में चांदी 10,000 और सोना 1,300 प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ

सोने की कीमत 1,52,700 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,44,321 प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली

बीते सप्ताह कीमती धातुओं, खासकर सोने और चांदी, की चमक कुछ फीकी पड़ गई। प्रॉफिट बुकिंग और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित बातचीत की उम्मीदों के चलते दोनों धातुओं की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई, हालांकि शुक्रवार को बाजार में कुछ सुधार देखा गया। बाजार की गति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है, क्योंकि भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर की स्थिति में बदलाव का डर कायम है। इस सप्ताह कीमती धातुओं के बाजार में प्रॉफिट बुकिंग का दबाव स्पष्ट रूप से देखा गया, जिसके कारण सोने की कीमतों में 0.34 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। चांदी ने भी बड़ी गिरावट दर्ज की, एक हफ्ते से भी कम समय में इसकी कीमतों में करीब 10,000 प्रति किलोग्राम की भारी कमी आई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, सोने की कीमत अब 1,52,700 प्रति 10 ग्राम पर आ गई है, जबकि चांदी की कीमत :2,44,321 प्रति किलोग्राम है। पांच दिन पहले, यानी 20 अप्रैल को एमसीएक्स पर सोना 1,54,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया था, जबकि चांदी 2,54,000 रुपए प्रति किलोग्राम के पार निकल गई थी। इस प्रकार, सोने में प्रति 10 ग्राम पर लगभग 1,300 रुपए की और चांदी में लगभग 9,679 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट देखी गई है। हालांकि सप्ताह के अंत में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में थोड़ी तेज़ी देखी गई। एमसीएक्स पर सोने के जून फ्यूचर्स में 0.61 फीसदी की बढ़त हुई, जबकि चांदी के मई फ्यूचर्स में 1.39% की मामूली बढ़त दर्ज की गई। इस तेज़ी का मुख्य कारण अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में प्रगति को लेकर बढ़ती उम्मीदें मानी जा रही हैं। विश्लेषकों का कहना है कि निचले स्तरों पर चुनिंदा खरीदारी देखने को मिली है।

एसयूवी एलिवेट का फेसलिफ्ट वर्जन जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में होंडा अपनी इकलौती एसयूवी एलिवेट के फेसलिफ्ट वर्जन को जल्द लॉन्च करेगी। इसकी तैयारी जारी है। एसयूवी को अधिक आधुनिक लुक देने के लिए इसके रियर डिजाइन में भी बदलाव किया जा सकता है। इंटीरियर में एलिवेट के केबिन को अधिक प्रीमियम बनाने के लिए नए फीचर्स, बेहतर गुणवत्ता वाले मटेरियल और आधुनिक तकनीक को जोड़ा जाएगा। यह अपडेटेड मॉडल इस साल के मध्य तक आने की उम्मीद है, जिसमें नई स्टाइलिंग, बेहतर इंटीरियर और कई नए फीचर्स देखने को मिलेंगे, जिससे इसकी बिक्री में और इजाफा हो सके। एक्सटीरियर में छोटे लेकिन महत्वपूर्ण डिजाइन अपडेट्स मिलेंगे, जैसे कि एक संशोधित फ्रंट ग्रिल, अपडेटेड बंपर और नए अलॉय व्हील्स। डैशबोर्ड में भी नए डिजाइन एलिमेंट्स देखने को मिल सकते हैं, जिससे राइडर्स को अधिक आरामदायक और शानदार अनुभव मिलेगा।

पावरट्रेन के मामले में, अपडेटेड एलिवेट में मौजूदा 1.5 लीटर का नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन जारी रहेगा, जो लगभग 121 हॉर्सपावर उत्पन्न करता है। यह 6-स्पीड मैनुअल और सीवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के विकल्पों के साथ आएगा। हालांकि, अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कंपनी एक दमदार हाइब्रिड वर्जन भी पेश कर सकती है।

37 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी हासिल की महिंद्रा स्कॉर्पियो ने

नई दिल्ली। मार्च 2026 की बिक्री के आंकड़ों पर नजर डालें तो बाजार में महिंद्रा स्कॉर्पियो का एकतरफा दबदबा देखने को मिला, जिसने 37 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल की। इस सेगमेंट के टॉप-15 मॉडलों में महिंद्रा के चार मॉडल (स्कॉर्पियो, एक्सयूवी7एक्स0, एक्सईवी 9एस और एक्सईवी 9ई) शामिल थे। मार्च 2026 में महिंद्रा स्कॉर्पियो की 14,578 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल मार्च 2025 की 13,913 यूनिट्स से 4.78प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। महिंद्रा एक्सयूवी7एक्स0 ने भी शानदार प्रदर्शन किया, इसकी बिक्री 34.43प्रतिशत बढ़कर 9,210 यूनिट्स हो गई। टोयोटा फॉर्च्यूनर ने 3,795 यूनिट्स बेचीं, जिसमें 11.88प्रतिशत की सालाना ग्रोथ दर्ज की गई। महिंद्रा एक्सईवी 9एस की 3,254 यूनिट्स बिकीं, जबकि टाटा हैरियर/ईवी ने 123.4प्रतिशत की भारी वृद्धि के साथ 2,826 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। इस सेगमेंट में अन्य प्रमुख खिलाड़ियों में महिंद्रा एक्सईवी 9ई (1,759 यूनिट्स), टाटा सफारी (1,530 यूनिट्स), हुंडई अल्काजार (893 यूनिट्स) और स्न हेक्टर (850 यूनिट्स) शामिल हैं। हालांकि, महिंद्रा एक्सईवी 9ई और हुंडई अल्काजार की बिक्री में क्रमशः 15.43प्रतिशत और 37.6प्रतिशत की गिरावट देखी गई। जीप कम्पास (159 यूनिट्स), फॉक्सवैगन टायरोन (120 यूनिट्स), जीप मेरिडियन (98 यूनिट्स), स्कोडा कोडियाक (64 यूनिट्स) और फॉक्सवैगन टिगुआन (42 यूनिट्स) ने भी अपनी जगह बनाई।

टेबल टेनिस : पंकज को एकल, तो भाग्यश्री को दोहरा खिताब; मृदुल ने पूरी की हैट्रिक

इंदौर

इंदौर के अभय प्रशाल में टेबल टेनिस की गूंज और खिलाड़ियों का जोश देखते ही बनता था। जिला टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में आयोजित सत्र की पहली जिला रैंकिंग स्पर्धा का समापन खिलाड़ियों के बेहतरीन कौशल प्रदर्शन के साथ हुआ।

टूर्नामेंट में पंकज विश्वकर्मा ने अपना दबदबा बनाते हुए पुरुष वर्ग का खिताब जीता, तो वहीं भाग्यश्री दवे ने महिला और अंडर-19 वर्ग में दोहरे स्वर्ण के साथ अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। बालक अंडर-19 वर्ग में मृदुल पुरोहित ने खिताबी हैट्रिक पूरी कर दर्शकों का दिल जीत लिया। मृदुल इससे पहले बालक अंडर-15 और अंडर-17 वर्ग के खिताब भी अपने नाम कर चुके हैं। स्पर्धा के निर्णायक मुकाबलों में पुरुष वर्ग में पंकज विश्वकर्मा ने अंश गोयल को 3-1 से मात दी। महिला वर्ग में भाग्यश्री दवे ने आरवी जैन को 3-1 से हराकर जीत दर्ज की। बालक अंडर-19 वर्ग में मृदुल पुरोहित और लक्ष्य भदौरिया के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली, जिसमें मृदुल ने 3-2 से बाजी मारी। बालिका वर्ग में भाग्यश्री दवे ने नेहल नाहर को सीधे सेटों में 3-0 से पराजित किया। इसके पूर्व सेमीफाइनल में पंकज ने चैतन्य करोड़े को 4-1 से और अंश गोयल ने मृदुल पुरोहित को 4-1 से हराकर फाइनल की राह तय की थी। महिला वर्ग में भाग्यश्री दवे ने भूमिका साहूकर को 3-1 से और आरवी जैन ने राधिका भार्गव को 3-0 से शिकस्त दी थी। क्वार्टर फाइनल में भी अंश गोयल, चैतन्य करोड़े, पंकज विश्वकर्मा, राधिका भार्गव, भूमिका साहूकर और भाग्यश्री दवे ने अपने-अपने खेल से प्रभावित किया। स्पर्धा के समापन पर पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंदौर नगर निगम महापौर परिषद के सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया शामिल हुए। जबकि अध्यक्षता मप्र ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी ने की। मप्र टेबल टेनिस संगठन के जयेश आचार्य, रिंकू आचार्य और जिला सचिव नीलेश वेद विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। संचालन प्रशांत व्यास ने किया और अंत में नवीन सोनी ने आभार व्यक्त किया।

न्यूज़ ब्रीफ

विदेशी खिलाड़ी आईपीएल को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से बड़ा मानते हैं: मैथ्यू हेडन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्पोर्ट्स लीग माना जाता है, जिसमें हर क्रिकेटर खेलना चाहता है। कई विदेशी खिलाड़ी तो आईपीएल में खेलने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर से संन्यास तक ले लेते हैं, क्योंकि अक्सर राष्ट्रीय बोर्ड उन्हें एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) देने में आनाकानी करते हैं। इस बीच, आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस (जीटी) के बल्लेबाजी कोच मैथ्यू हेडन ने आईपीएल को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि विदेशी खिलाड़ी आईपीएल को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से भी ज्यादा महत्वपूर्ण समझते हैं। मैथ्यू हेडन ने एक पाडकास्ट पर बात करते हुए बताया, अलग-अलग टीमों से बात करने पर मुझे लगता है कि विदेशी खिलाड़ी, खासकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी, हम (आस्ट्रेलियाई) कुछ हद तक, न्यूजीलैंड के खिलाड़ी, इस काम्पिटिशन को ऐसे दिखाते हैं जैसे यह इंटरनेशनल क्रिकेट से भी बड़ा हो। हेडन ने इस सोच के पीछे के कारणों को भी समझाया। उनका कहना है कि आईसीसी ने अपने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर में आईपीएल के लिए एक विशेष विंडो दी हुई है, जिस दौरान बहुत कम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेली जाती है। हेडन ने बताया कि आईपीएल के बारे में बहुत अधिक प्रचार और हाइप है, और यह लगभग दो महीने तक पूरे देश पर हावी रहता है। उन्होंने कहा, आप देख सकते हैं कि वे ऐसा क्यों करते हैं क्योंकि इसके बारे में बहुत हाइप है। जब आप यहां आईपीएल में होते हैं, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप ब्राडकास्टिंग कर रहे हैं, या सिर्फ सड़कों पर एक आम व्यक्ति हैं, या हम अभी दूसरी तरफ हैं। यह पूरे आईपीएल के समय पर हावी हो जाता है। यह हर दिन सिर्फ क्रिकेट है। कभी-कभी तो दिन में दो बार भी। खुद मैथ्यू हेडन भी आईपीएल के शुरुआती सीजन का हिस्सा रहे थे। उन्होंने 2009 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 12 मैचों में 572 रन बनाए थे, जो उनके आईपीएल करियर की बेहतरीन पारियों में से एक थी।

महाराष्ट्र के मास्टर्स का दबदबा, दूसरे दिन जीते दो स्वर्ण पदक

पुणे/इंदौर। बालेवाड़ी इंडोर स्टेडियम, पुणे में खेली जा रही 32वीं मास्टर्स नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप के दूसरे दिन महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरे स्वर्ण पर कब्जा जमाया। पुरुष 75+ और 70+ आयु वर्ग में महाराष्ट्र की टीम चैंपियन बनी, वहीं 80+ वर्ग के रोमांचक फाइनल में गुजरात ने बाजी मारी। महिलाओं के 60+ वर्ग में मध्य प्रदेश की टीम शीर्ष पर रही। पुरुषों के 75+ वर्ग के फाइनल में महाराष्ट्र ने चंडीगढ़ को 3-0 से करारी शिकस्त दी। पिनाकिन संपत ने शुरुआती मुकाबले में चंडीगढ़ के बलबीर सिंह विर्दी को संघर्षपूर्ण मैच में हराया। इसके बाद सतीश कुलकर्णी ने पतंजलि कुमार को सीधे गेमों में मात देकर बढ़त 2-0 कर दी। अंत में संपत और कुलकर्णी की जोड़ी ने डबल्स मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक महाराष्ट्र की झोली में डाल दिया। 70+ आयु वर्ग में भी महाराष्ट्र का दबदबा कायम रहा। फाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र ने दिल्ली को 3-0 से पराजित किया। योगेश देसाई और शिवानंद कुंडाजे ने अपने-अपने एकल मैच आसानी से जीते।

पूर्व कोच ने किया खुलासा : केकेआर ने क्यों छोड़ा कप्तान श्रेयस अय्यर को

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा खिताब जीतने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर को रिलीज करने का फैसला लंबे समय से क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब टीम के पूर्व कोच चंद्रकांत पंडित ने इस निर्णय के पीछे की वजहों पर खुलकर बात की है। पंडित ने स्पष्ट किया है कि अय्यर को टीम से रिलीज करना किसी व्यक्तिगत कारण से नहीं लिया गया फैसला था। चंद्रकांत पंडित ने बताया, हम उनसे चूक गए। श्रेयस एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने कप्तान के तौर पर टीम को खिताब जिताया। लेकिन कई बार परिस्थितियां और टीम की रणनीति ऐसे फैसले लेने पर मजबूर कर देती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कोई जानबूझकर किया गया फैसला नहीं था, बल्कि चीजें टीम की उम्मीदों के मुताबिक नहीं चलीं। पंडित ने आगे कहा कि टीम चयन में कई पहलुओं को ध्यान में रखना पड़ता है, और कभी-कभी बड़े और कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं, जो बाहर से देखने पर अलग लगते हैं। उन्होंने फिल साल्ट जैसे अन्य खिलाड़ियों का भी उदाहरण दिया, जिन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई, जबकि वे भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। पंडित ने कहा कि टीम सभी खिलाड़ियों की सराहना करती है। केकेआर से रिलीज होने के बाद, पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। उनकी कप्तानी में टीम ने आईपीएल 2025 का फाइनल खेला और आईपीएल 2026 में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है।

नाइट राइडर्स ने लास एंजिल्स में 21 मिलियन डालर के ओलंपिक क्रिकेट स्थल का शिलान्यास किया

लास एंजिल्स

नाइट राइडर्स फ्रैंचाइज़ी ने लास एंजिल्स मेट्रो क्षेत्र में 21 मिलियन डालर की लागत से बनने वाले एक क्रिकेट सुविधा की आधारशिला रखी है। यह स्थल 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी के लिए प्रस्तावित है, जो एक सदी से भी अधिक समय के बाद खेल की खेलों में एकमात्र पिछली उपस्थिति होगी। यह परियोजना अमेरिका में क्रिकेट के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और वैश्विक स्तर पर खेल के विस्तार की आईसीसी की रणनीति का हिस्सा है।

यह स्टेडियम पोमोना फेयरग्राउंड्स में बनाया जाएगा, जो डाउनटाउन लास एंजिल्स से लगभग 30 मील दूर है। यह भूमि पोमोना शहर के साथ एक दीर्घकालिक समझौते के तहत फ्रैंचाइज़ी को पट्टे पर दी गई है। नाइट राइडर्स मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में निवेश करने वाली पहली आईपीएल-संबद्ध फ्रैंचाइज़ी थी, जिसने मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसे समकक्षों से पहले पारिस्थितिकी तंत्र में प्रवेश किया था। जबकि इन आईपीएल मालिकों ने तब से एमएलसी में हिस्सेदारी हासिल कर ली है, पोमोना परियोजना लीग में एक फ्रैंचाइज़ी द्वारा किए गए सबसे महत्वपूर्ण स्टैंडअलोन बुनियादी ढांचा निवेशों में से एक का प्रतिनिधित्व करती है।

यह विकास संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। जबकि हाल के वर्षों में देश भर में कई टर्फ सुविधाएं सामने आई हैं, पोमोना स्थल एमएलसी की स्वामित्व संरचना के तहत दूसरा क्रिकेट-विशिष्ट स्टेडियम बन जाएगा, डलास क्षेत्र में ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम के बाद। सह-मालिक शाहरुख खान ने कहा, आधारशिला रखने के बारे में नहीं है, बल्कि एक सपने की शुरुआत के बारे में है - क्रिकेट, दुनिया के दूसरे सबसे ज्यादा देखे जाने वाले खेल को, लास एंजिल्स की खेल पहचान के केंद्र में लाना। फेयरप्लेक्स के साथ हमारी दीर्घकालिक साझेदारी के माध्यम से, हमारा लक्ष्य केवल एक क्रिकेट मैदान बनाना नहीं है, बल्कि ऊर्जा, समुदाय और अपनेपन का स्थान बनाना है। यह स्थल पहली बार पिछले महीने घोषित किया गया था, जिसमें जुलाई के शुरुआती सप्ताह के दौरान सात मैचों की मेजबानी करने की योजना की पुष्टि की गई थी। इस मैदान में आठ टर्फ पिचों के साथ एक बड़ा खेल का मैदान होगा। प्रारंभिक बैठने की क्षमता 5,000 निर्धारित की गई है, जिसमें 2027 तक इसे 12,000 तक बढ़ाने की योजना है, जो लास एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी के अनुरूप है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह ने कहा: ये क्रिकेट के खेल के लिए बहुत रोमांचक समय हैं क्योंकि यह खुद को एक वैश्विक खेल के रूप में स्थापित करने में बड़ी प्रगति कर रहा है। हमारा ध्यान क्रिकेट के पदचिह्न का विस्तार करने पर रहा है और ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बनना कुछ ऐसा है जो गर्व और सपनों दोनों को अपने साथ लाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह आधारशिला ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और दुनिया भर के सभी आईसीसी सदस्यों और हितधारकों के लिए गर्व का क्षण है। हमें विश्वास है कि यह स्थल खेलों के दौरान केंद्र मंच लेगा और संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट के लिए एक विरासत छोड़ेगा।

कार्लोस अल्काराज़ को बड़ा झटका : चोट के चलते फ्रेंच ओपन से बाहर

नई दिल्ली

स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ को एक बड़ा झटका लगा है। कलाई की चोट के कारण वे अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन से बाहर हो गए हैं, जिससे उनका लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूट गया है। यह चोट उन्हें पिछले हफ्ते बार्सिलोना ओपन के दौरान दाहिने हाथ की कलाई में लगी थी। प्रारंभिक जांच के बाद डाक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी, जिसके बाद उन्होंने न केवल फ्रेंच ओपन, बल्कि इटालियन ओपन से भी हटने का मुश्किल फैसला लिया है। दोनों ही टूर्नामेंट क्ले कोर्ट पर खेले जाते हैं, जो अल्काराज़ का पसंदीदा सर्फेस माना जाता है और जहां वे आमतौर पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अल्काराज़ ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, टेस्ट के बाद हमने सावधानी बरतने का फैसला किया है। इसलिए, जब तक हम मेरी स्थिति का पूरी तरह से आकलन नहीं कर लेते, मैं रोम और रोलां गैरोस में हिस्सा नहीं लूंगा। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए बेहद मुश्किल समय है, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि मैं और अधिक मजबूती के साथ वापसी करूंगा। यह बयान उनकी निराशा और दृढ़ संकल्प दोनों को दर्शाता है, लेकिन प्रशंसकों के लिए यह खबर किसी झटके से कम नहीं है। 22 वर्षीय अल्काराज़ इस साल शानदार फार्म में थे। उन्होंने साल की शुरुआत आस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की थी, जिससे वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। उनकी इस चोट ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन पर अस्थायी रूप से विराम लगा दिया है। हाल ही में उन्होंने विश्व नंबर-1 की रैंकिंग जैनिक सिनर से गंवा दी थी। अब लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहने से उनकी रैंकिंग पर और असर पड़ने की आशंका है। जैनिक सिनर ने अल्काराज़ की चोट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यह बहुत दुखद खबर है। इतनी कम उम्र में हमें अपने शरीर का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। उम्मीद है कि वे जल्द वापसी करेंगे और हम एक बार फिर शानदार मुकाबले देख पाएंगे। इस चोट से फ्रेंच ओपन की रौनक कुछ फीकी जरूर पड़ गई है, लेकिन टेनिस जगत को उनके शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद है।

बांग्लादेश की नाहिदा और शर्मिन पर आईसीसी आचार संहिता उल्लंघन का जुर्माना

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के खिलाफ बुधवार को राजशाही में खेले गए दूसरे एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के अलग-अलग स्तर 1 के उल्लंघनों के लिए बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर और शर्मिन सुल्ताना पर उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। दोनों खिलाड़ियों को एक-एक डिमेरिट पाइंट भी मिला है, जो पिछले 24 महीनों में उनका पहला ऐसा अपराध है। यह घटनाएँ खेल भावना और क्रिकेट के सम्मान को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करती हैं। स्पिनर नाहिदा को श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू को 17वें ओवर में आउट करने के बाद एक एनिमेटेड सेंड-आफ देने के लिए दंडित किया गया था। इस तरह का व्यवहार अक्सर विपक्षी खिलाड़ी के प्रति असम्मानजनक माना जाता है और खेल की गरिमा के विरुद्ध होता है। दूसरी ओर, बल्लेबाज शर्मिन को बांग्लादेश की पारी के 16वें ओवर में एलबीडब्ल्यू आउट दिए जाने के बाद अपना असंतोष व्यक्त करने के लिए दंडित किया गया।

केएल का ऐतिहासिक शतक : आईपीएल में सबसे बड़ी भारतीय पारी का रिकार्ड

नई दिल्ली

आईपीएल 2026 के 35वें मुकाबले में शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जब दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए कई रिकार्ड ध्वस्त कर दिए। राहुल ने मात्र 67 गेंदों पर 16 चौकों और 9 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 152 रनों की अविश्वसनीय पारी खेली, जिससे वह आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

उन्होंने यह उपलब्धि हासिल करते हुए अभिषेक शर्मा के पिछले साल के 141 रनों के रिकार्ड को तोड़ दिया। इतना ही नहीं, राहुल अब दिल्ली कैपिटल्स की ओर से भी आईपीएल में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने ऋषभ पंत के 2018 में बनाए गए 128 रनों के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। राहुल की यह पारी आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी पारी है। उनसे पहले केवल वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (नाबाद 175) और न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैक्कुलम (नाबाद 158) ही 150 से अधिक रनों की पारी खेल पाए हैं, जिससे राहुल इस विशिष्ट सूची में शामिल होने वाले महज तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने अपनी इस शानदार पारी में नीतीश राणा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए मात्र 95 गेंदों में 220 रनों की एक यादगार साझेदारी निभाई। यह साझेदारी आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी भी है, जिसने पंजाब किंग्स के गेंदबाजों को बेबस कर दिया और उन्हें कोई मौका नहीं दिया। नीतीश राणा भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 44 गेंदों में 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से ताबड़तोड़ 91 रनों की पारी खेलकर राहुल का बखूबी साथ दिया। राहुल और राणा के इस आक्रामक प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में केवल 2 विकेट खोकर 264 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का अब तक का सर्वोच्च स्कोर भी है, जिसने साल 2024 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ बनाए गए 4 विकेट पर 257 रनों के अपने ही पुराने रिकार्ड को तोड़ दिया। इस धमाकेदार प्रदर्शन ने दिल्ली को एक मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है और आईपीएल के इतिहास में एक और शानदार रिकार्ड दर्ज हो गया है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

ओलंपिक कोच रौनक पंडित की मेंटरशिप में इंदौर के छात्र सीखेंगे सटीक निशाना

इंदौर

इंदौर के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर का निशानेबाज बनाने के उद्देश्य से ओलंपिक कोच और कामनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट रौनक पंडित अब शहर में अपनी नई पारी की शुरुआत कर रहे हैं। चत्रभुज नरसी स्कूल (सीएनएस) इंदौर ने रौनक पंडित की प्रतिष्ठित मेंटरशिप में अपनी स्टेट-आफ-द-आर्ट पिस्टल शूटिंग एकेडमी का शुभारंभ किया है।

चत्रभुज नरसी स्कूल में अत्याधुनिक शूटिंग एकेडमी शुरू; कामनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट से गुरुमंत्र पाकर खिले युवा खिलाड़ी

शनिवार को इस एकेडमी की शुरुआत दो दिवसीय पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता के साथ हुई, जहाँ शहर के उभरते निशानेबाजों को सीधे विश्व स्तरीय अनुभव से जुड़ने का मौका मिला।

एकेडमी के मेंटर रौनक पंडित ने शुभारंभ के अवसर पर विद्यार्थियों और पालकों के लिए आयोजित ओपन हाउस सेशन में मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शूटिंग केवल प्रतियोगिता जीतने के बारे में नहीं है, बल्कि यह युवाओं में फोकस, धैर्य और आत्मविश्वास विकसित करने का एक सशक्त जरिया है। श्री पंडित ने कहा, इस शुरुआती उम्र में बच्चों को निशानेबाजी से जोड़ना उनके भीतर अनुशासन की नींव रखने जैसा है। मुझे खुशी है कि इंदौर में हम उन मूल्यों को साझा कर पा रहे हैं जो खेल के मैदान के साथ-साथ जीवन में भी काम आते हैं।

ओलंपिक स्टैंडर्ड की सुविधाएं

स्कूल परिसर में स्थापित यह एकेडमी ओलंपिक-स्टैंडर्ड की 10-मीटर शूटिंग रेंज से लैस है। बीसीएम ग्रुप के सहयोग से शुरू हुई इस पहल के बारे में स्कूल के चेयरपर्सन सुजय जयराज और प्रिंसिपल डा. जेरिन जैकब ने बताया कि रौनक पंडित जैसे दिग्गज एथलीट का मार्गदर्शन मिलना विद्यार्थियों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है।

मुंबई और पुणे के बाद अब इंदौर में भी स्कूल एक ऐसा फ्यूचर-रेडी इकोसिस्टम तैयार कर रहा है, जहाँ शिक्षा और खेल के समन्वय से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। यह एकेडमी न केवल बेहतरीन शूटर तैयार करने का लक्ष्य रखती है, बल्कि छात्रों को मानसिक रूप से सुदृढ़ और नैतिक इंसान बनाने की दिशा में भी कार्य करेगी।

डायपर बदलते समय बरतें सावधानी

नवजात डायपर को जल्दी-जल्दी गीला करते हैं इसलिए इसको बार-बार बदलने की जरूरत पड़ती है। लेकिन छोटे बच्चों की त्वचा इतनी कोमल होती है कि उस पर किसी भी चीज से जल्द इंफेक्शन हो जाता है इसलिए डायपर बदलते समय बहुत सावधानी की जरूरत होती है। अगर छोटे बच्चे की त्वचा की देखभाल अच्छे ढंग से नहीं करेंगे तो उसकी त्वचा पर इंफेक्शन भी हो सकता हैं। नवजात के डायपर बदलते समय ध्यान इन बातों का ध्यान रखें।

- नवजात का डायपर बदलने के लिए सभी जरूरी चींजें और सामान अपने पास रख लीजिए जिससे आपको नवजात को छोड़कर बीच-बीच में कहीं जाना न पड़े।
- नवजात का डायपर बदलने के लिए सबसे पहले नवजात को प्लेन स्थान पर लिटाए। लेकिन ध्यान रखें कि जगह साफ हो।
- सफेद और हल्के कलर का डाइपर ही प्रयोग कीजिए, क्योंकि ज्यादा रंगीन डायपर नवजात के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

- डायपर पहनाते समय इसे पास ही रखें लेकिन बच्चे की पहुंच से दूर हो।
- उसके बाद नवजात के दोनों पैर ऊपर करें और एक हाथ से उसके गंदे डायपर को बाहर निकालें।
- नवजात की सफाई करते वक्त यह ध्यान रखें कि उसका सिर आगे से पीछे की तरफ हो।
- गंदा डायपर निकालने के बाद नवजात को कम से कम 10 मिनट तक वैसे ही रहने दीजिए, जिससे उसका शरीर पूरी तरह से सूख जाए।
- नवजात को साफ कॉटन या रूई और गर्म पानी से नमी वाले भाग को अच्छी तरह से साफ करें और पानी को पूरी तरह से सूखने दीजिए।
- डायपर बदलते समय बच्चे का ध्यान दूसरी बातों में लगाने की कोशिश करें।
- डायपर बदलते समय हमेशा अपना एक हाथ नवजात के पेट पर रखें।
- जब आप बच्चे का डायपर बदल रहे हो तो उसे खेलने के लिए खिलौने दें।
- डाइपर को शरीर पर थोड़ा ढीला कर बांधें, ताकि उसकी त्वचा पर निशान न बनें।

इन उपायों को अपनाकर आप आसानी से बच्चे के डायपर को बदल सकते हैं।

हर दिन बस 15 सेकेंड बजाएं ताली...

किसी भी मौके पर ताली बजाना हम सब की जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि ताली बजाने से शरीर के रोगों को भी दूर भगाया जा सकता है। दिन में सिर्फ 15 सेकेंड ताली बजाने व तलवों को नियमित रूप से पत्थर से रगड़ने से व्यक्ति खुद को रोगमुक्त रख सकता है।

ऐसे दूर होती हैं बीमारियां

व्यक्ति की हथेलियों व तलवों में शरीर के सभी अंगों के बिंदु होते हैं, जिन्हें दबाकर कई तरह के रोगों को दूर किया जा सकता है। जब हम ताली बजाते हैं तो हमारे शरीर का तापमान बढ़ने लगता है जिससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। इसके अलावा अंगूठे के नीचे का स्थान दबने से रक्त की थैलियां खून को विपरीत दिशा में संचारित करती हैं जिससे धमनियों में किसी भी प्रकार की रुकावट दूर होती है। हृदय संबंधी परेशानियों में लाभ मिलता है। इससे पूरे शरीर में कंपन होता है व वात, पित्त और कफ का संतुलन बना रहता है। इसी तरह पैर के तलवों को पत्थर से थोड़ी देर रगड़ने पर एक्यूप्रेशर पॉइंट्स में दबाव बनता है जो कई रोगों से मुक्ति दिलाता है। इस उपचार में किसी प्रकार का कोई खर्च भी नहीं होता।

ऐसे बजाएं ताली

सीधे हाथ की पहली अंगुली यानी तर्जनी को दूसरे हाथ की हथेली पर चार बार जोर-जोर से चोट करें। उसके बाद तर्जनी व मध्यम दोनों को साथ में लेकर चार बार ऐसा करें। इसी प्रकार तीन अंगुलियों को साथ में लेकर फिर चारों अंगुलियों को मिलाकर ऐसा करें, अंत में दोनों हाथों से ताली बजाएं। इस दौरान आंखों को बंद रखें।

ताली बजाने के बाद दोनों हाथ गर्म व ऊर्जावान हो जाते हैं। ऐसे में ताली बजाने के बाद गहरी सांस भरते हुए मध्यम अंगुली से आंखों को छूते हुए हाथ धीरे-धीरे नीचे की ओर ले जाएं। ऐसा करने से आंखों व चेहरे पर चमक बढ़ती है।

इसलिए 15 सेकंड जरूरी

15 सेकंड की ताली की ऊर्जा रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत कर देती है जिससे शरीर को तमाम रोगों से लड़ने में मदद मिलती है।

ध्यान रहे

ताली बजाने के भी कुछ नियम होते हैं। हमेशा आसन पर खड़े होकर या पैरों में जूते पहनकर ही ताली बजाएं। जमीन पर नंगे पैर ऐसा करने से शरीर में उत्पन्न ऊर्जा जमीन में समाकर नष्ट हो जाती है। कई बार ताली बजाने से हाथों के फटने की समस्या होने लगती है इससे बचने के लिए हाथों में सरसों, नारियल या कोई अन्य तेल लगा सकते हैं।

इस फल के फायदे एक से बढ़कर एक

नाशपाती से रोगों से दूर रहा जा सकता है। इसमें विटामिन्स, खनिज, एंजाइम और फाइबर खूब पाया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट गुण खूब होते हैं। नाशपाती में मौजूद पैक्टिन नामक घुलनशील फाइबर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है। आयुर्वेद के अनुसार नाशपाती पचने में हल्की, रोगी को जल्दी ऊर्जा देने वाली, प्यास बुझाने वाली और त्रिदोष नाशक है। इसमें हाइड्रोऑक्सीनॉमिक एसिड होता है जो पेट के कैंसर को रोकने में मदद करता है। फाइबर पेट के कैंसर को बढ़ने से रोकता है व बड़ी आंत को ठीक रखता है। इसमें मौजूद फोलिक एसिड (फोलेट) गर्भवती महिलाओं के शिशुओं में न्यूरल ट्यूब दोष से बचाता है।

यह आयरन का अच्छा स्रोत है, जो हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है। एक गिलास नाशपाती का रस पीने से बुखार में जल्द आराम मिलता है। यह झुर्रियां, मुहांसे और त्वचा संबंधी अन्य समस्याओं को रोकने में मदद करता है। नाशपाती के पत्रों को पीसकर त्वचा पर लगाने से त्वचा विकारों में लाभ होता है। नाशपाती में बोरोन तत्व होता है जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके सेवन से हार्ट स्ट्रोक का खतरा 50 फीसदी कम होता है व शरीर का ग्लूकोज ऊर्जा में बदल जाता है। इसमें विटामिन सी और तांबा पर्याप्त मात्रा में मिलता है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। नाशपाती के नियमित सेवन से मोनोपॉज के बाद महिलाओं में होने वाले कैंसर का खतरा भी कम हो जाता है। मधुमेह रोगियों के लिए यह स्मार्ट नाश्ता है। इससे मीठा खाने की तलब में आराम मिलता है और पोषक तत्व भी मिल जाते हैं।

ध्यान रखें: नाशपाती को अच्छी तरह धो कर छिलके समेत चबा-चबा कर खाएं। जल्दबाजी में बिना चबाए इसे खाने से पेट में दर्द हो सकता है। देर से काट कर रखी नाशपाती नहीं खानी चाहिए।

ये फायदे जानने के बाद आप भी छिदवा लेंगे कान

आप कान केवल फैशन के लिए छिदवाते रहे होंगे, लेकिन सेहत के लिए यह कितना बढ़िया है, आप नहीं जानते होंगे। कान छिदवाने से पीरियड्स प्रॉब्लम खत्म हो जाती है। प्रजनन क्षमता भी अच्छी होती है। कान छिदवाने से इन्फेक्शन, हाइड्रोसील और हर्निया की समस्या दूर होती है। कान छिदवाने से दिमाग का विकास भी होता है। हैरानी होगी आपको यह जानकर कि कान के दोनों ओर एक पॉइंट होता है जिसका संबंध दिमाग से होता है। एक्यूप्रेशर के इलाज में भी इस तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इससे न केवल दिमागी विकास होता है, बल्कि याददाश्त भी बढ़ती है। कान के बीच का हिस्से का संबंध आंखों की रोशनी से भी होता है। ऐसे में आंखों की रोशनी बढ़ानी है, तो कान छिदवा लें। सुनने की क्षमता भी बढ़ती है। कान छिदवाने वाली जगह पर दो एक्यूप्रेशर पॉइंट होते हैं। पहला मास्टर सेंसोरियल और दूसरा मास्टर सेरेब्रल। ये सुनने की क्षमता सही रखते हैं। एक्यूप्रेशर एक्सपर्ट्स की मानें तो टिटनस को दूर रखने के लिए भी कान छिदवाना बिल्कुल सही रहता है। हिस्टीरिया की समस्या को भी दूर रखता है। कान छिदवाने से तनाव, डिप्रेशन भी दूर होता है। डाइजेशन सिस्टम को ठीक रखना है, तो कान छिदवा लें। वजन घटाने का भी यह एक अच्छा विकल्प है। कान पर एक्यूप्रेशर पॉइंट होने के कारण दबाव पड़ता है, जिससे डाइजेस्टिव सिस्टम सही रहता है।

बरगद के दूध में छिपे हैं बड़े गुण

वट वृक्ष (बरगद) की तासीर ठंडी होती है जो कफ, पित्त की समस्या को दूर कर रोगों का नाश करती है। बुखार, स्त्री रोग संबंधी समस्याएं, उल्टी व त्वचा के रोगों में वट वृक्ष के पत्तों, जड़ों और दूध का प्रयोग फायदेमंद होता है।

पत्ते हैं उपयोगी

वट की कोपलें चेहरे की कांति बढ़ाने का काम करती हैं। बरगद की जड़ों में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसकी ताजी जड़ों को कुचल कर चेहरे पर लगाएं। झुर्रियां कम हो जाएंगी। इसके पत्तों को तवे पर सेककर सहने योग्य स्थिति में फोड़ों के ऊपर बांधने से लाभ मिलता है। इसके पत्तों की लुग्दी बनाकर शहद और शक्कर के साथ लेने से नकसीर की समस्या में आराम मिलता है। वट के बीजों को पीसकर पीने से उल्टी आने की समस्या दूर होती है।

दूध भी गुणकारी

जिस दांत में कीड़ा लग गया हो वहां इसके दूध में भीगा फोहा रखने से लाभ होता है। लगभग 10 ग्राम बरगद की छाल, कत्था और 2 ग्राम काली मिर्च बारीक पीसकर पाउडर बना लें। यह मंजन करने पर दांतों का हिलना, सड़न, बदबू दूर हो जाती है। वट का दूध, शक्कर के साथ लेने से बवासीर में लाभ होता है। वट का दूध लगाने से सूजन कम हो जाती है। वट के दूध का लेप कमर पर करने से दर्द में लाभ होता है। फटी पड़ी एड़ियों पर बरगद का दूध लगाया जाए, तो काफी राहत मिलती है। बरगद की ताजा कोमल पत्तियों का पाउडर बनाकर खाने से मेमोरी अच्छी होती है। इसके पत्तों की राख को अलसी के तेल में मिला कर लगाने से सिर के बाल उग आते हैं। इसके कोमल पत्तों को तेल में पकाकर लगाने से सभी केश के विकार दूर होते हैं। जले हुए स्थान पर इसके कोमल पत्तों को पीसकर दही में मिलाकर लगाने से शान्ति प्राप्त होती है।

वर्कआउट के लिए सही कपड़े

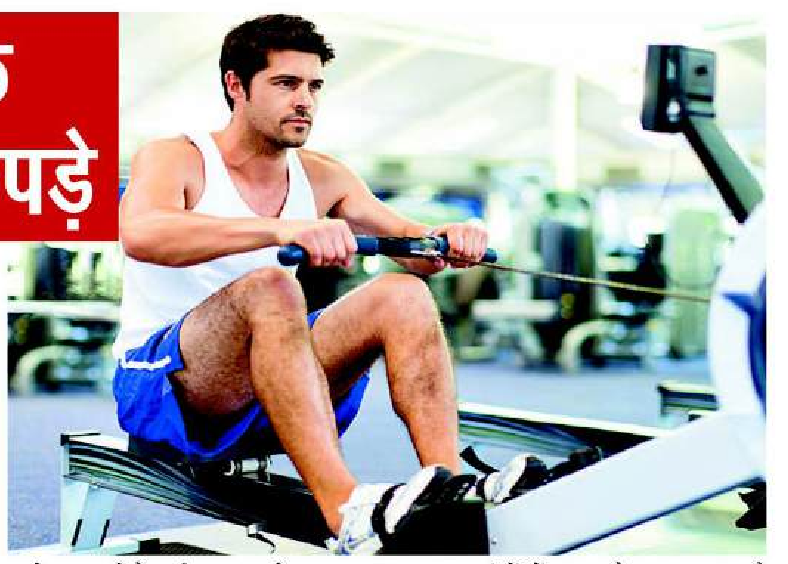

आप फिट रहने के लिए क्या कुछ नहीं करते। जिम में कई घंटों तक पसीना बहाते हैं, लेकिन सही एक्सरसाइज के साथ ही वर्कआउट के लिए सही कपड़ों का चुनाव भी बहुत जरूरी है। तभी आप आराम से एक्सरसाइज कर पाएंगे और दूसरों के सामने असहजता या शर्मिंदगी से भी बच सकेंगे।

कैसी हो फिटिंग

एक्सरसाइज टाइप के मुताबिक ही आपके कपड़ों की फिटिंग होनी चाहिए। जैसे हैवी एक्सरसाइज या उपकरणों के साथ कसरत करते वक्त थोड़े ढीले और कंफर्टेबल शॉर्ट/लोवर के साथ टी-शर्ट पहन सकते हैं, लेकिन योगा या पिलाटे जैसी वर्कआउट के लिए स्ट्रेचेबल और फिट आउटफिट पहनें। इनके लिए जिम पैंट्स या योगा पैंट्स पहनें। हर मौसम में एक्सरसाइज के लिए अलग तरह के कपड़े पहनें, ताकि मौसम की मार आपकी सेहत पर न पड़े।

बॉडी के हिसाब से

अकसर लोगों को जिम में पसीने की बदबू परेशान करती है, जिससे छुटकारा पाने के लिए वे सुगंधित परफ्यूम और लोशन का इस्तेमाल करते हैं। वर्कआउट करते समय जब आपकी बॉडी में गर्मी पैदा होने लगती है और पसीना आता है तो तेज सुगंध वाले परफ्यूम का अरोमा और बढ़ जाता है। जिम में लोशन का इस्तेमाल करने से बचें। लोशन लगाने से पसीना आने पर आपके हाथ चिपचिपे हो जाते हैं, जिससे कुछ समय बाद ही जिम में वर्कआउट करने में मुश्किल होती है और यह सिर्फ आपके लिए ही नहीं बल्कि दूसरों के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है। कहने का मतलब है कि वर्कआउट करते समय आपके हाथ जगह जगह लगते हैं जिससे आपके द्वारा पकड़ी गई हर चीज चिपचिपी हो जाती है। आपके चेहरे पर लगा लोशन पसीने के साथ बहकर आंखों में जलन पैदा कर सकता है इसलिए यदि लोशन या परफ्यूम लगाना ही चाहते हैं तो उसकी गंध तीव्र न हो।

कैसा हो रंग

नियोन रंग के कपड़े सुंदर लगते हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि यह आप पर फबे। हमेशा गाढ़े रंग के कपड़ों का ही चुनाव करें। ऐसे स्पोर्ट्स शूज चुनें जो वर्कआउट करते समय पैरों के लिए सुरक्षित हों। इसके अलावा रनर्स अपने लिए स्पेशल शूज चुन सकते हैं। जूतों का सोल घिसने से पहले उसे रिजेक्ट कर दें वरना आपके ज्वाइंट डेमेज हो सकते हैं। आप जिम जाने के लिए छोटी स्लिव्स वाले टॉप पहन सकते हैं जो टाइट न हो। कंधों को कवर करने वाले कपड़े पहने, जो ज्यादा टाइट न हों। ढीले-ढाले कपड़े पहनकर आप आसानी से न केवल अपने हाथों को मोड़ सकते हैं, आपको वेट-लिफ्टिंग में भी कोई परेशानी नहीं होती।

कॉटन के कपड़े

खुद को कूल रखने के लिए कॉटन के कपड़े चुनें। एक्सपर्ट आपको उन कॉटन के कपड़ों को चुनने की सलाह देते हैं जो लाइकरा या पॉलिएस्टर से बने होते हैं। यदि आप स्पेंडेक्स को पहनकर कम्फर्टेबल फील करते हैं तो जिम वियर के लिए स्पेंडेक्स बहुत ही बढ़िया चुनाव है। अगर आपको ज्यादा पसीना नहीं आता तो आप कॉटन के कपड़े पहन सकते हैं क्योंकि गीले होने पर वह बदन में चिपकते नहीं हैं।

रेसिपी

पुदीना पूरी

सामग्री

1/2 कप बारीक कटे हुए पुदीने के पत्ते
1 कप गेहूं का आटा
1 टेबल-स्पून तेल
1/2 टी-स्पून

विधि

पुदीने की पत्तियों को धोकर बारीक काट लें। पुदीना की पूड़ी बनाने के लिए सबसे पहले गेंहू के आटे को एक बड़े बाउल में छानकर निकाल लें और छने हुए आटे में कटी हुई पुदीना की पत्तियां, अजवाइन, जीरा, बेकिंग सोड़ा, कटी हुई हरी मिर्च और नमक डालकर थोड़े-थोड़े पानी से कड़ा पूड़ी जैसा आटा गूंध लें और अब आटे को ढ़ककर करीब 10 मिनट के लिए रख दें। इसके बाद गैस पर कड़ाही में तेल डालकर गरम करने के लिए रख दें। आटे से छोटी-छोटी लोइयां बना लें और अब प्रत्येक लोई को गोल पूड़ी के आकार में बेल लें। जब तेल अच्छी तरह से गरम हो जाए तब एक- एक पूड़ी को गरम तेल में डालकर दोनों तरफ पलट कर डीप फ्राई करके नैपकीन पेपर पर निकाल लें, इसी तरह से सभी पुदीना पूड़ियों को तलकर तैयार कर लें। स्वादिष्ट पुदीना की पूड़ी बनकर तैयार हो गई है। अब आप इसे आलू की सब्जी या फिर दही और आचार के साथ खा सकते हैं।

पनीर पालक मेथी

सामग्री

पालक - 250 ग्राम (बारीक कटी हुई), मेथी - 250 ग्राम (बारीक कटी हुई), पनीर - 250 ग्राम, तेल - 2-3 टेबल स्पून, हींग - 1 चुटकी, जीरा - आधा छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर - चौथाई छोटा चम्मच, धनियां पाउडर - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 (बारीक कटा हुआ), लाल मिर्च पाउडर - चौथाई छोटा चम्मच, हरी मिर्च - 2 (बारीक कटी हुई), नमक - 3/4 छोटी चम्मच या स्वादानुसार चीनी - आधा छोटा चम्मच (यदि आप चाहें)

विधि

पनीर को 1-1 इंच के चौकोर टुकड़ों में काट लीजिए। पैन में 2 टेबल स्पून तेल डालकर गरम कीजिए। तेल गरम होने पर पनीर के टुकड़े इसमें डाल दीजिए और दोनों और से हल्के ब्राउन होने तक सेक लीजिए। सिके हुए पनीर के टुकड़ों को प्लेट मे निकाल लीजिए। पैन में तेल बचा है, 1 टेबल स्पून तेल और डाल दीजिए, गरम तेल में जीरा डाल दीजिए। जीरा भूनने पर इसमें हींग, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी पाउडर, धनियां पाउडर, बारीक कटे हुए टमाटर डाल कर, मसाले को थोड़ा सा भून लीजिए। भुने मसाले में बारीक कटी हुई मेथी, बारीक कटी हुई पालक, नमक, लाल मिर्च पाउडर और चीनी डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लीजिए। सब्जी को मीडियम आग पर ढ़ककर के 5 मिनट के लिए पकने दीजिए और उसके बाद चैक कीजिए। सब्जी पक चुकी है, इसमें पनीर के टुकड़े डालकर अच्छे से मिक्स कर लीजिए। सब्जी को एक बार फिर ढ़ककर के 2-3 मिनट के लिए धीमी आग पर पकने दीजिए। पनीर मेथी पालक सब्जी बनकर तैयार है, इसे प्याले में निकाल लीजिए। सब्जी को आप परांठे, चपाती, नॉन या चावल किसी के भी साथ भी खा सकते हैं।

इस आश्रम में आते हैं सबसे ज्यादा अमेरिकी

पिछले दिनों अमेरिका में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने भारत में एक मंदिर का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि वे एप्पल के फाउंडर स्टीव जॉब्स की सलाह पर भारत के इस मंदिर में गए थे। जुकरबर्ग ने इस मंदिर का नाम नहीं बताया था लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह मंदिर नैनीताल के पास पंत नगर में बाबा नीम करौली के आश्रम में ही था। इसी आश्रम में 1974 में स्टीव जॉब्स आए थे। नीम करोली बाबा का कैंची धाम आश्रम नैनीताल से 20 किलोमीटर दूर नैनीताल-अलमोड़ा रोड़ पर समुद्र तल से 1400 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। 10 सितम्बर 1973 में वृन्दावन की पावन भूमि पर नीम करौली बाबा का निधन हो गया लेकिन कैंची धाम आश्रम में अब भी विदेशी आते रहते हैं। बताया जाता है कि सबसे ज्यादा अमेरिकी ही इस आश्रम में आते हैं। आश्रम पहाड़ी इलाके में देवदार के पेड़ों के बीच है। नीम करौली बाबा के कैंची धाम आश्रम की भौगेलिक स्थिति पूर्णतः वास्तुनुकूल है, क्योंकि आश्रम की दक्षिण एवं पश्चिम दिशा में ऊंचे-ऊंचे पहाड़ है और जहां आश्रम बना है उसकी उत्तर एवं पूर्व दिशा में पहाड़ों के तीखे ढलान के कारण बहुत नीचाई है। पहाड़ की इस नीचाई के बाद उत्तर एवं पूर्व दिशा में ही क्षिप्रा नदी भी बह रही है। फेंगशुई का एक सिद्धांत है कि, यदि पहाड़ के मध्य में कोई भवन बना हो, जिसके पीछे पहाड़ की ऊंचाई हो, आगे की तरफ पहाड़ की ढलान हो, और ढलान के बाद पानी का झरना, कुण्ड, तालाब, नदी इत्यादि हो, ऐसा भवन प्रसिद्धि पाता है और सदियों तक बना रहता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**